लोगों में बाँटने के लिए प्रेरित करते हुए, पटाखों से दूर रहने के लिए कहा तथा आस-पास के किसी गरीब बच्चे को उपहार एवं मिष्ठान्न देकर उसके साथ खुशी बाँटने के लिए प्रोत्साहित किया । उन्होंने बच्चों को पटाखों के शोर एवं धुएँ से उत्पन्न प्रदूषण से अवगत कराते हुए, इससे वृद्धों और रोगियों को होने वाली परेशानी के बारे में बताया । उन्होंने पटाखा रहित दीपावली मनाकर उन्हें भी खुश करने की सलाह दी ताकि उनकी दीपावली भी मंगलमय हो सके । अंत में पुनः दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए इसका समापन किया ।

5. उज्ज्वल आवास समिति में मनाए गए कन्या भ्रूण-हत्या के विरुद्ध जन-जागरूकता कार्यक्रम पर प्रतिवेदन

8 मार्च 2013

आज उज्ज्वल आवास समिति ने अपनी कॉलोनी हर्ष विहार में कन्या भ्रूण-हत्या के विरुद्ध जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर कॉलोनी के अधिकांश लोग उपस्थित थे, जिनमें युवावर्ग, बच्चे, पुरुष तथा महिलाओं ने उपस्थिति दर्ज कराई। इस अवसर पर कॉलोनी की महिलाओं ने गीत तथा एक लघुनाटिका प्रस्तुत की, जिसमें जीवन में नारी की महत्ता पर प्रकाश डाला गया था। समिति के अध्यक्ष ने भावपूर्ण भाषण दिया, जिसमें नारी और पुरुष को जीवन रूपी गाड़ी के दो पहिए बताते हुए लिंगानुपात में समन्वय बनाए रखने पर बल देने को कहा गया। इसमें नारियों के बिना समाज की स्थिति की कल्पना कराते हुए, जीवन में नीरसता एवं नीरवता छाने की बात कही गई। उन्होंने कन्या भ्रूण-हत्या न करवाने की युवाओं से शपथ दिलवाते हुए सामाजिक संतुलन बनाने में योगदान देने की बात कही ।

अन्त में उपस्थित व्यक्तियों को धन्यवाद देते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया ।

●●●

3.00 बजे किया गया। इसकी सूचना छात्रों को प्रार्थना-स्थल पर दे दी गई थी । इसमें छात्रों को भूकम्प से बचाव संबंधी जानकारी एवं बचाव के उपायों को बताया गया । नियत समय पर जैसे ही हूटर बजाया गया, छात्र अपने-अपने बस्ते सिर पर रखे खुले मैदान की ओर भागने लगे । दो मिनट का भी समय न बीता होगा कि प्रार्थना-स्थल के खुले मैदान पर बच्चे पंक्तिबद्ध खड़े हो गए । पी.टी.आई. ने इतने कम समय में वहाँ अचानक सुरक्षित एकत्र होने के लिए बच्चों के प्रयास की प्रशंसा की। उन्होंने मेज के माध्यम से इस आपदा से बचाव का मॉक ड्रिल करवाया तथा ऐसी प्राकृतिक आपदा के समय भगदड़ न मचाने, अफवाहें न फैलाने तथा अफवाहों पर विश्वास न करने की सीख दी। उन्होंने ऐसी घटनाओं में घायलों को तुरन्त अस्पताल पहुँचाने के उपायभी बताए। इस समय बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। अंत में सभी को धन्यवाद देते हुए इस मौके पर ड्रिल का समापन किया गया ।।

3. कॉलोनी के पार्क में आयोजित वृक्ष बचाओ समारोह पर प्रतिवेदन

3 अप्रैल, 2013

आज संगम पार्क राणा प्रताप बाग कॉलोनी के मुख्य पार्क में आर. डब्ल्यू. ए. के सदस्यों द्वारा सूखते पेड़ों को बचाने के लिए समारोह आयोजित किया गया। इसमें कॉलोनी के गणमान्य सदस्यों को भी आमंत्रित किया गया। समारोह में युवा तथा बच्चे भी सोल्लास शामिल हुए। आर. डब्ल्यू. ए. के अध्यक्ष ने गत जुलाई में लगाए गए पौधे के सूखने पर चिन्ता प्रकट करते हुए उपस्थित लोगों का ध्यान आकृष्ट कराया। उन्होंने बच्चों तथा युवाओं से इस सूखते पौधों को बचाने का आह्वान किया । उन्होंने वृक्षों को धरती का शृंगार बताते हुए इनकी महत्ता पर प्रकाश डाला । उन्होंने उपस्थित व्यक्तियों से दो-दो पौधे तथा नववृक्षों को गोद लेकर उन्हें बचाने का अनुरोध किया। उन्होंने व्यर्थ बह रह रहे पानी को पार्क की ओर मोड़ने तथा पौधों की सिंचाई करने की बात सुझाई, जिसे सभी ने एक मत से स्वीकार कर लिया। उन्होंने लोगों से इस 'वृक्ष बचाओ समारोह' को सफल बनाने का अनुरोध किया, जिससे सभी को शुद्ध पर्यावरण मिल सके। लोगों के पेड़ बचाने की वचनबद्धता के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया ।

4. विद्यालय में दीपावली की पूर्व संध्या पर आयोजित शुभकामना एवं संदेश संबंधी कार्यक्रम पर प्रतिवेदन

दिनांक.....

आज अर्वाचीन सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल रोहिणी, दिल्ली में दीपावली की पूर्व संध्या पर एक लघु कार्यक्रम का आयोजन किया गया । इसमें बच्चों तथा विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को दीपावली को सादगीपूर्वक मनाने के लिए कहते हुए शुभकामनाएँ दी गई। विद्यालय की प्राचार्या ने बच्चों को पटाखों के बिना दीपावली मनाने की सलाह दी। उन्होंने अपने संक्षिप्त भाषण में विद्यार्थियों को इस पावन पर्व की खुशियाँ बढ़ाने तथा उन्हें

3 प्रतिवेदन

प्रतिवेदन (रिपोर्ट)–लेखन या प्रस्तुतिकरण भी एक कला है, जिसमें किसी दिए गए विषय, घटना, योजना, परियोजना, कार्य का नियोजन आदि को ब्योरे के रूप में प्रस्तुत किया जाता है । वर्तमान में यह टेलीविजन, रेडियो, अखबार की विशिष्ट विद्या बनती जा रही है। विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास द्वारा इसमें निपुणतता प्राप्त करनी चाहिए ।

प्रतिवेदन के माध्यम से किसी समिति, संस्था, सभा, सम्मेलन के आयोजन और उसकी कार्यवाही कलमबद्ध किया जाता है ।

प्रतिवेदन का आकार संक्षिप्त होना चाहिए । इसके अलावा उसमें पूर्णता एवं संतुलन होना आवश्यक है।

प्रतिवेदन के कुछ नमूने निम्नलिखित हैं :

1. 'उत्साह' संगठन द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का प्रतिवेदन

8 अप्रैल, 2013

आज आदर्शनगर की सरकारी डिस्पेंसरी में 'उत्साह' संगठन के युवा डॉक्टरों द्वारा रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया । ठीक साढ़े नौ बजे स्वास्थ्य सचिव के आगमन के साथ यह कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। यह 'उत्साह' संगठन के कार्यकता।ओं द्वारा चलाए गए जन–जागरूकता अभियान का परिणाम था कि नौ बजे तक वहाँ बीस से अधिक युवा रक्तदाता स्वैच्छिक रक्तदान के लिए पहुँच गए थे । आयोजक मंडल प्रमुख ने स्वास्थ्य सचिव के स्वागत के उपरांत आवश्यक उपकरणों और तैयारियों को देखने का अनुरोध किया। उनकी अनुमति मिलते ही डॉक्टर, नर्स अपने–अपने काम में जुट गए। एक–एक कर युवक रक्तदान के लिए आते रहे । एक फार्म भरकर आवश्यक जाँच के बाद उनका रक्त लिया जाने लगा। दोपहर तक लगभग एक सौ से अधिक युवा रक्तदान कर चुके थे। स्वास्थ्य सचिव के निर्देशन में इसे सरकारी अस्पतालों में भिजवाया गया ताकि लोगों की जान बचाई जा सके । अंत में स्वास्थ्य सचिव ने रक्तदान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए वहाँ उपस्थित जनसमुदाय का उत्साहवर्धन किया । लोगों से स्वैच्छिक रक्तदान करने का वचन लेते हुए इसका समापन किया गया ।

2. विद्यालय में आयोजित आपदा–प्रबंधन संबंधी मॉक ड्रिल पर प्रतिवेदन

2 मई, 2013

आज रा. व. मा. बाल विद्यालय 'ए' ब्लॉक जहाँगीरपुरी दिल्ली में आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल का आयोजन

HIGH ORDER THINKING QUESTIONS

1. बालिका मैना और अंग्रेज सेनापति में क्या वार्तालाप हुआ ?
2. ''साँवले सपनों की याद'' शीर्षक की सार्थकता पर टिप्पणी कीजिए ।
3. हमें प्रकृति को किस दृष्टि से देखना चाहिए ?
4. 'अंगुली ढकी है पर पंजा नीचे गिर रहा है' पंक्ति में छिपा व्यंग्य स्पष्ट कीजिए ।
5. लेखक ने प्रेमचन्द का जो चित्र हमारे सामने प्रस्तुत किया है उससे प्रेमचन्द के व्यक्तित्व की कौन-कौन सी विशेषताएँ उभर कर आती है ?
6. जवारा के नवाब के साथ पारिवारिक सम्बन्धों को आज के संदर्भ में स्वप्न जैसा क्यों कहा है ?
7. महादेवी वर्मा के समय लड़कियाँ की दशा कैसी थी ?
8. लेखक को लंगड़ी मैना अन्य साथियों से किस प्रकार भिन्न जान पड़ी ?
9. 'ग्रामश्री' कविता के आधार पर बताइये अलसी का पौधा कवि को कैसा लग रहा है ?
10. भाव और भाषा की दृष्टि से ''ग्राम श्री'' कविता आपको कैसी लगी उसे अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
11. 'ग्रामश्री' कविता के आधार पर बताइये कि अलसी का पौधा कवि को कैसा लग रहा है ?
12. कविता 'चन्द्र गहना से लौटती बेर' के आधार पर 'हरे चने' का सौन्दर्य अपने शब्दों में चित्रित कीजिए।
13. कविता 'चन्द्र गहना से लौटती बेर' में नगरीय संस्कृति के प्रति कवि का क्या आक्रोश है और क्यों ?
14. 'मेघ आये' कविता के आधार पर शहरी पाहुन के आने का जो रोचक वर्णन किया गया है, उसे लिखिए।
15. मेघ के आने पर प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन दिखाई है ?
16. कवि ने अपनी माँ से क्या प्रश्न किया और माँ ने क्या उत्तर दिया ?
17. माँ के कार्यों से कवि को क्या आभास हो रहा था ?
18. आज दिन-प्रतिदिन काम पर जाते बच्चों को देखकर किसी को कुछ अटपटा क्यों नहीं लगता ?
19. कवि ने बाल मजदूरी की समस्या को किस प्रकार चित्रित किया है ?
20. लेखक ने बच्चन जी के व्यक्तित्व के किन-किन रूपों को उभारा है ? ''रीढ़ की हड्डी'' एकांकी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।
21. ''माटी वाली'' कहानी में किस समस्या को उठाया गया है ?
22. माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में सोचने का समय क्यों नहीं था ?
23. इलाहाबाद आने पर बच्चन जी ने लेखक की किस प्रकार मदद की ?

(घ) उपमा

प्र. 9. (क) संकेतवाचक

(ख) विधानवाचक

(ग) निषेध

(घ संदेहवाचक

प्र. 10. (1) ग (2) क (3) घ (4) ख (5) ग

अथवा

(1) ख (2) क (3) घ (4) ग (5) क

प्र. 11. इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।

प्र. 12. इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।

अथवा

इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।

प्र. 13. इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।

प्र. 14. इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।

प्र. 15. इसका उत्तर विद्यार्थी अपने मतानुसार देंगे ।

प्र. 16. पत्र

प्रारंभ एवं समापन की औपचारिकताएँ ।

(पता, दिनांक, संबोधन, समापन)

विषय सामग्री/प्रस्तुति)

भाषा की सफाई

प्र. 17 निबन्ध

भूमिका/प्रस्तावना

विषय प्रतिपादन

उपसंहार

भाषा की शुद्धता

प्रस्तुति / समग्र प्रभाव

प्र. 15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– 2 × 3 = 5

(क) चश्मा देखते ही गोपाल प्रसाद ओर शंकर एकदम क्यों उछल पड़े ?

(ख) माटी वाली तीन रोटियाँ पाकर क्यों प्रसन्न हो उठती हैं ?

(ग) शमशेर बहादुर सिंह हिन्दी की तरफ क्यों मुड़े ?

खण्ड–'घ'

पत्र-लेखन

प्र. 16. प्रात:कालीन भ्रमण के लाभ बताते हुए अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए । 5

अथवा

आपके क्षेत्र में सफाई कर्मचारी ठीक तरह से काम नहीं कर रहे हैं । अपने क्षेत्र में गंदगी एवं बीमारी फैलाने की सूचना देते हुए नगर-निगम के स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए ।

प्र. 17. नीचे दिए गए संकेतों-बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखिए । 5

इन्टरनेट–सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में क्रान्ति

संकेत–प्रस्तावना, इंटरनेट का आरम्भ, इंटरनेट के मुख्य भाग, उपयोग, हानियाँ, निष्कर्ष ।

अथवा

'नैतिक मूल्यों के उत्थान में शिक्षक की भूमिका'

संकेत : प्रस्तावना, नैतिक मूल्यों में गिरावट, शिक्षा का उद्देश्य, शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका, निष्कर्ष ।

उत्तरमाला

प्र. 1. (1) ख (2) घ (3) ख (4) ग (5) घ 5

प्र. 2. (1) क (2) ग (3) घ (4) ख (5) क 5

प्र. 3. (1) घ (2) ख (3) क (4) ग (5) घ 5

प्र. 4. (1) घ (2) ग (3) क (4) ख (5) ग 5

प्र. 5. (1) ग (2) क (3) घ (4) ख 5

प्र. 6. (1) घ (2) क (3) क (4) ग 5

प्र. 7. (1) ग (2) ख (3) क (4) घ 5

प्र. 8. (क) उपमा 1×4=5

(ख) अनुप्रास

(ग) मानवीकरण

नील तल में जो उगी धास भूरी

ले रही वह भी लहरिया ।

एक चांदी का बड़ा-सा गोल खंभा

आंख को है चकमकाता

है कई पत्थर किनारे

पी रहे चुपचाप पानी,

प्यास जाने कब बुझेगी ।

चुप खड़ा बगुला डुबाए टांग जल में,

देखते ही मीन चंचल

मयान-निद्रा त्यागता है,

चट दबा कर चोंच में

नीचे गले के डालता है ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए ।

(1) कवि ने चाँदी का-सा गोल खम्भा किसे कहा है और क्यों ? 2

(2) पोखर के किनारे पड़े पत्थरों को देखकर कवि ने क्या कल्पना की है ? 2

(3) बगुला जल में बिल्कुल शांत एवं मयानावस्था में क्यों खड़ा है ? 1

प्र. 13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए– 5

(1) 'यमराज की दिशा' कविता के आधार पर लिखिए कि आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों हो गई है ? 2

(2) मेघ रूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए ? 2

(3) बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है ? 1

प्र. 14. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए । 4

अथवा

'गरीब आदमी का शमशान नहीं उजड़ना चाहिए ।' 'माटी वाली कहानी के आधार पर इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(5) बापू ने महादेवी का कटोरा किसलिए ले लिया ? 1

(क) देशसेवा के लिए (ख) गरीबों के लिए

(ग) अपने प्रयोग के लिए (घ) चंदे के लिए

प्र. 11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : $2 \times 5 = 10$

(क) सालिम अली हर समय क्या लिए रहते थे और क्यों ?

(ख) मैना की अंतिम इच्छा क्या थी ? क्या उसकी इच्छा पूरी हो सकी ?

(ग) 'तुम परदे का महत्व ही नहीं जानते, हम परदे पर कुर्बान हो हैं' इस कथन का आशय 'प्रेमचन्द के फटे जूते' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

(घ) गुरुदेव ने शांतिनिकेतन को छोड़ कहीं और रहने का मन क्यों बनाया ?

(ङ) सुभद्रा कुमारी चौहान ने महादेवी वर्मा की काव्य प्रतिभा को निखारने में किस प्रकार योगदान दिया?

प्र. 12. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर उसके प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए । 5

हसमुख हरियाली हिम–आतप
सुख से अलसाए–सो सोए,
भींगी अँधियाली में निशि की
तारक स्वप्नों में से खोए–
मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम–
जिस पर नीलम नभ आच्छादन–
निरूपम हिमांत में स्निग्ध शांत
निज शोभा से हरता जन मन ।

(1) कवि ने हरियाली को हँसमुख क्यों कहा है ? 1

(2) अंधेरी रात में तारे कैसे नजर आते हैं ? 1

(3) लोगों के मन को कौन हर रहा है ? 1

(4) कवि ने मरकत के डिब्बे से गाँव की तुलना क्यों की है ?1

(5) 'हिमांत' शब्द किस मौसम की ओर संकेत कर रहा है ? 1

अथवा

और पैरों के तले हैं एक पोखर
उठ रही इसमें लहरिया !

(4) अंग्रेजों ने मैना को किस प्रकार मार डाला ? 1

(क) तोप से (ख) जलाकर

(ग) तलवार से (घ) बन्दूक से

(5) 'पाषाण-हृदय' का क्या अर्थ है ? 1

(क) मजबूत दिल (ख) संवेदना शून्य

(ग) कठोर हृदय (घ) संवेदनशील

अथवा

उसी बीच आनन्द भवन में बापू आए । हमलोग तब अपने जेब खर्च में से हमेशा एक-एक, दो-दो आने देश के लिए बचाते थे और जब बापू आते थे तो वह पैसा उन्हें दे देते थे। उस दिन जब बापू के पास मैं गई तो अपना कटोरा लेती गई। मैंने निकालकर बापू को दिखाया । मैंने कहा 'कविता सुनाने पर मुझको यह कटोरा मिला है ।' कहने लगे अच्छा, दिखा तो मुझको ।' मैंने कटोरा उनकी ओर बढ़ा दिया तो उसे हाथ में लेकर बोले, 'तू देती है इसे ?' अब मैं क्यों कहती ? मैंने दे दिया और लौट आई ।

(1) 'हम लोग' से किनकी ओर संकेत किया गया है ? 1

(क) महादेवी

(ख) महादेवी और उनकी सहपाठिनें

(ग) महादेवी वर्मा और उनके परिवार जन

(घ) छात्रावास की लड़कियाँ

(2) महादेवी और सहपाठिनें जेब-खर्च से पैसे क्यों बचाती थी ? 1

(क) देश सेवा के लिए (ख) समाज सेवा के लिए

(ग) गरीबों के लिए (घ) अपने लिए

(3) वे बचत के पैसे किसे देती थी ? 1

(क) अपने माता-पिता को (ख) गरीबों को

(ग) छात्रावास की सहेलियों को (घ) बापू को

(4) महादेवी ने बापू को कटोर क्यों दिखाया ? 1

(क) दान देने के लिए

(ख) बापू को प्रसन्न करने के लिए

(ग) प्रशंसा पाने के लिए

(घ) कटोरे की प्रशंसा पाने के लिए

प्र. 8. निम्नांकित पद्यांशों में प्रयुक्त अलंकार बताइए :

(क) यह शिला-सा वृक्ष ये चट्टान-सी मेरी भुजाएं ।

(ख) कहै कबीर गुरु ग्यान थैं एक-आध उबरत ।

(ग) एम्बर पनघट में डुबो रही
तारा घट उषा नागरी ।

(घ) चँवर सदृश्य डोल रहे ।

प्र. 9. निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के आधार पर भेद बताइए :

(क) यदि चौकीदार जाग रहा होता तो चोरी न होती ।

(ख) यह खबर मैंने नवभारत टाइम्स समाचार पत्र में पढ़ी ।

(ग) मुसाफिर अपनी मंजिल पर पहुँच चुका होगा ।

खण्ड-'ग'

प्र. 10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्पों का चयन कीजिए–

सन् 1857 ई. के विद्रोही नेता नाना साहब कानपुर में असफल होने पर भागने लगे तो वे जल्दी में अपनी पुत्री मैना को साथ न ले जा सके। देवी मैना बिठूर में पिता के महल में रहती थी । पर विद्रोह दमन करने के बाद अंग्रेजों ने बड़ी ही क्रूरता से उस निरीह और निरपराध देवी को अग्नि में भस्म कर दिया। उसका रोमांचकारी वर्णन पाषाण दय को भी एक बार द्रवीभूत कर देता है ।

(1) नाना साहब ने किसके विरुद्ध विद्रोह किया था ? 1

(क) बहादुरशाह जफर के विरुद्ध (ख) लक्ष्मीबाई के विरुद्ध

(ग) अंग्रेजों के विरुद्ध (घ) गांधीजी के विरुद्ध

(2) नाना साहब अपनी बेटी को महल में क्यों छोड़ गए थे ? 1

(क) जल्दी में उसे वे ले नहीं जा सके

(ख) महल की देखभाल के लिए

(ग) क्रांतिकारियों को सूचना देने के लिए

(घ) वे उसे प्यार नहीं करते थे

(3) नाना साहब का आवास कहाँ था ? 1

(क) दिल्ली में (ख) मद्रास में

(ग) बिठूर में (घ) कानपुर में

(2) 'आवट' प्रत्यय का प्रयोग किस शब्द में हुआ है ? 1

(क) मिलावट (ख) कड़वाहट

(ग) गरमाहट (घ) चिकनाहट

(3) प्रयुक्त अलंकार का नाम लिखिए–

(क) रघुपति राघव राजा राम

(ख) जुड़ गई जैसे दिशाएँ ।

(4) 'पौराणिक' का सही विकल्प है : 1

(क) पौराण, इक (ख) प्रराण, ईक

(ग) पुराण, इक (घ) पौराण, ईक

प्र. 7. (1) भारत रत्न

(क) भारत से रत्न–कर्मधारय समास

(ख) भारत और रत्न–द्वन्द्व समास

(ग) भारत का रत्न–तत्पुरुष समास

(घ) भारत के लिए रत्न–बहुब्रीहि समास

(2) हाथोंहाथ 1

(क) हाथ से हाथ मिलाना–बहुब्रीहि समास

(ख) हाथ ही हाथ में–अव्ययीभाव समास

(ग) हाथ और हाथ–द्वन्द्व समास

(घ) हाथ में हाथ–कर्मधारय समास

(3) दहीबड़ा 1

(क) दही में डूबा हुआ बड़ा–कर्मधारय समास

(ख) दही में बड़ा–तत्पुरुष समास

(ग) दही का बड़ा–अव्ययीभाव समास

(4) चौराहा 1

(क) चार और राहें–द्वन्द्व समास

(ख) चार और राहें–बहुब्रीहि समास

(ग) चार हैं जो राहें–कर्मधारय समास

(घ) चार राहों का समाहार–द्विगु समास

(2) जीवन-मंजिल को तय कर लेना खेल क्यों नहीं है ? 1

(क) समय का अभाव (ख) लघु जीवन

(ग) सीमित पग-डेग (घ) निर्धनता

(3) कवि की 'थकावट' कब दूर हुई ? 1

(क) जब स्नेह क दो शब्द मिले (ख) जब आराम मिला

(ग) जब साथ मिला (घ) जब वह प्रसन्न हुआ

(4) हमारे साथ क्या रहता है ? 1

(क) साथियों का साथ (ख) साथियों की यादें

(ग) साथियों का स्नेह (घ) साथियों की मित्रता

(5) 'अवलम्बित' शब्द का अर्थ है : 1

(क) विलम्ब (ख) परतंत्र

(ग) आश्रित (घ) सहयोग

खण्ड-'ख'

प्र. 5. (1) 'प्र' उपसर्ग किस शब्द में नहीं है : 1

(क) प्रयोग (ख) प्रगति

(ग) प्रतिध्वनि (घ) प्रदक्षिणा

(2) 'अन्' उपसर्ग युक्त शब्द छाँटिए : 1

(क) अनावरण (ख) अंतरात्मा

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय (घ) अन्तरिक्ष

(3) 'स्वाभिमान' का सही विकल्प है : 1

(क) स्व + अभिमान (ख) स्वा + अभिमान

(ग) स्वा + अभिमान (घ) स्व + अभिमान

(4) 'पराजय' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है : 1

(क) पर (ख) परा

(ग) प (घ) प्र

प्र. 6. (1) 'उक' प्रत्यय किस शब्द में नहीं है ? 1

(क) भावुक (ख) उत्सुक

(ग) भिक्षुक (घ) गायक

(3) युग में जाते समय कवि मातृभूमि से क्या माँगता है ? 1

(क) मातृभूमि का आशीष (ख) मातृभूमि का सहयोग

(ग) अभयदान (घ) हौसला

(4) 'धरती' शब्द का पर्यायवाची इनमें से कौन-सा नहीं है ? 1

(क) धरा (ख) वसुधा

(ग) सुधा (घ) वसुंधरा

(5) 'स्वप्न-अर्पित' का क्या अर्थ है ? 1

(क) देशसेवा करना (ख) रात भर जागना

(ग) सपने देखना (घ) देशहित के लिए सर्वस्व अर्पित कर देना

प्र. 4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँटकर लिखिए । 5

जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला उस-उस राही को धन्यवाद ।
जीवन अस्थिर, अनजाने ही हो जाता पथ पर मेल कहीं
सीमित पग-डग लम्बी मंजिल तय कर लेना कुछ खेल नहीं
दाएं ! बाएं ! सुख-दुख चलते
सम्मुख चलता पथ का प्रमाद
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद !
सांसों पर अवलम्बित काया,
जब चलते-चलते चूर हुई ।
दो स्नेह शब्द मिल गए मिली–
नव स्फूर्ति थकावट दूर हुई ।
पथ के पहचाने छूट गए
पर साथ-साथ चल रही याद ।
जिस-जिससे पथ पर स्नेह मिला
उस-उस राही को धन्यवाद !

(1) कवि किसे धन्यवाद देता है ? 1

(क) राही को (ख) मित्रों को

(ग) परिवारजन को (घ) जीवन-मार्ग पर जिस-जिससे स्नेह मिला

(3) इस गद्यांश में किसे सामाजिक अपराध माना गया है ? 1

(क) शिशु को पौष्टिक भोजन न देना

(ख) शिशु को शारीरिक दंड देना

(ग) शिशु को स्नेह से वंचित रखना

(घ) शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना

(4) राष्ट्र का पुनीत कर्तव्य क्या है ? 1

(क) बच्चे की भावना को सुरक्षित न रखना

(ख) बच्चे में हीन भावना पनपने न देना

(ग) बच्चे को सुविधाएँ प्रदान कराना

(घ) बच्चे को सबल वातावरण प्रदान न कराना

(5) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । 1

(क) राष्ट्र की अमूल्य निधि (ख) शिशु और राष्ट्र

(ग) शिशु की कोमलता (घ) राष्ट्र के दायित्व

प्र. 3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छांटकर लिखिए : 5

समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित चाहता हूँ !

देश की धरती, तुझे कुछ और भी दू ! माँ ! तुम्हारा ऋण बहुत है मैं अकंचन, किन्तु इतना कर रहा फिर भी निवेदन थाल में ला । सजाकर भाल जब कर दया स्वीकार लेना वह समर्पण गान अर्पित, प्राण अर्पित चाहता हूँ । देश की धरती, तुझे कुछ और दूँ । माँ आज दो तलवार को लाओ न देरी बाँध दो कसकर कमर पर ढाल मेरी भाल पर मल दो चरण की धूप थोड़ी, शीश पर आशीष की छाया घनेरी, स्वप्न अर्पित प्रश्न अर्पित, आयु का क्षण-क्षण समर्पित चाहता हूँ ! देश की धरती, तुझे कुछ और भी दूँ !

(1) कवि देश के लिए क्या-क्या समर्पित करना चाहता है ? 1

(क) तन (ख) धन

(ग) मन (घ) सर्वस्व

(2) धरती के ऋण के आगे कवि अपने आपको क्या मानता है ? 1

(क) देशभक्त (ख) अकिंचन

(ग) दानी (घ) वीर

(3) विदुषी राजकन्या का विवाह जड़मति कालिदास से क्यों हो गया ? 1

(क) कालिदास सुदर्शन व्यकितत्व के थे ।

(ख) विद्वान वर्ग ने उनके मौन संकेतों की मनमानी व्याख्या की ।

(ग) कालिदास धनी थे ।

(घ) राजकन्या कालिदास से प्रेम करती थी ।

(4) मूर्ख कालिदास किस प्रकार महाकवि बन गया ? 1

(क) पत्नी के प्रेम के कारण

(ख) साहित्य रचना के कारण

(ग) कठिन परिश्रम और निरन्तर साधना से

(घ) घर से त्यागकर जाने के कारण

(5) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए । 1

(क) जड़मति कालिदास (ख) विद्योतमा और कालिदास

(ग) महाकवि कालिदास (घ) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

प्र. 2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए । 5

शिशु को यदि हम राष्ट्र के अमूल्य निधि के रूप में देखना चाहते हैं तो उसे एक ऐसा आदर्श वातावरण प्रदान करना पड़ेगा जिसमें निर्बाध गति से उसका चहुमुखी विकास हो सके । स्वच्छ, शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में ही शिशु की कोमल भावनाएँ सुरक्षित रह सकती हैं। शिशु की सुकोमल भावनाओं को आघात पहुँचाना सामाजिक अपराध है। राष्ट्र का यह पुनीत कर्तव्य है कि वह प्रत्येक बालक को ऐसा वातावरण उपलब्ध कराए कि उसमें हीन भावना न पनपने पाए । हीन भावना से ग्रसित शिशु बड़ा होने पर समाज के प्रति अपने कर्तव्य का सही रूप में निर्वाह-नहीं कर सकता ।

(1) शिशु को राष्ट्र की अमूल्य निधि किस प्राकर बनाया जा सकता है ? 1

(क) आदर्श वातावरण प्रदान करके (ख) शिक्षित करके

(ग) खेल सामग्री उपलब्ध कराके (घ) अनुशासन में रखकर

(2) शिशु की कोमल भावनाएँ कैसे वातावरण में सुरक्षित रह सकती है ? 1

(क) अनुशासित वातावरण में

(ख) स्वच्छ एवं शांत वातावरण में

(ग) शांत, भयमुक्त और स्वास्थ्यप्रद वातावरण में

(घ) प्रदूषणरहित वातावरण में

हिन्दी
संकलित परीक्षा (एस-2)

कक्षा : नवीं **अधिकतम अंक : 90**

विषय : हिन्दी **निर्धारित समय : 3 घंटे**

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं–क, ख, ग और घ ।

(2) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(3) यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड-'क'

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए– 5

कालिदास उसी डाली को काट रहे थे, जिस डाली पर बैठे थे। विद्योतमा नामक विदुषी राजकन्या का मान भंग करने का षड्यंत्र कर रहे तथाकथित विद्वान वर्ग को वह व्यक्ति कालिदास सर्वाधिक जड़मति और मूर्ख लगा। सो वे उसे ही कुछ लाभ-लालच दे, कुछ उटपटांग सिखा-पढ़ा, महापंडित के वेश में सज-ध जकर राजदरबार में विदुषी राजकन्या विद्यांतमा से शास्त्रार्थ करने के लिए ले गए। उस मूर्ख के उटपटांग मौन संकेतों को मनमानी व्याख्या कर षड्यंत्रकारियों ने उसे विदुषी से विवाह करा ही दिया लेकिन प्रथम रात्रि में ही वास्तविकता प्रकट हो जाने पर पत्नी के ताने से घायल होकर ज्यों घर से निकले, कठिन परिश्रम और निरंतर साधना-रूपी रस्सी के आने-जाने से घिस-घिसकर महाकवि कालिदास बनकर घर लौटे । स्पष्ट है कि निरन्तर अभ्यास ने तपाकर उनकी जड़मति को पिघलाकर बहा दिया और जो बाकी बचा था, वह खरा सोना था ।

(1) कालिदास उसी डाली को क्यों काट रहे थे, जिस डाली पर वे बैठे थे ? 1

(क) वे विद्वान थे (ख) वे जड़मति थे

(ग) वे महापंडित थे (घ) वे लकड़हारे थे

(2) कालिदास को पंडित कहाँ ले गए ? 1

(क) विद्योतमा का राजमहल दिखाने (ख) विद्योतमा से मिलवाने के लिए

(ग) विद्योतमा के पास सजा दिलवाने (घ) विद्योतमा से शास्त्रार्थ करने के लिए

विद्यालय आने-जाने की वजह से कई विद्यार्थियों को लू भी लग चुकी है। पत्र लिखकर प्रधानाचार्य से अनुरोध कीजिए कि गर्मी की छुट्टियाँ पूर्व निर्धारित समय से दो सप्ताह पहले कर दी जाएँ ।

निबन्ध

प्रश्न 17. नीचे दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर निबन्ध लिखें । 10

विद्यार्थियों के जीवन में इंटरनेट की भूमिका

इंटरनेट क्या है ?.....इंटरनेट का फैलाव.....फायदे एवं नुकसान.....अश्लीलता एवं किशोर मन..... .....आधुनिक जीवन की अनिवार्यता के रूप में इंटरनेट.....निष्कर्ष ।

अथवा

'पढ़ोगे लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे कुदोगे तो बनोगे खराब' उपरोक्त पंक्ति का आशय..... रोजगार के रूप में खेलना एवं पढ़ना.... किसी भी क्षेत्रों में सफलता एवं परिश्रम का संबंध.....वर्तमान समय की मांग.....निष्कर्ष ।

प्रतिवेदन

निम्नलिखित विषयों पर प्रतिवेदन लिखिए :

(क) आपके विद्यालय में खेल-दिवस मनाया गया । उस पर प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए ।

(ख) आपके विद्यालय में गाँधी जयंती मनाई गयी । आप उस पर प्रतिवेदन प्रस्तुत कीजिए ।

अपनी दहकती आँखों सहित विराजते हैं ।

उपरोक्त काव्यांश के आधार पर निम्न प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए–

(1) कवि ने ऐसा क्यों कहा है कि दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं है ? 1

(2) कवि के अनुसार आज हर दिशा दक्षिण दिशा क्यों हो गई है ? 2

(3) निम्न पंक्तियों का भाव स्पष्ट कीजिए : 2

''सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं और वे सभी में एक साथ अपनी दहकती आँखों सहित विराजते हैं ।''

प्रश्न 13. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर लिखिए–

(1) 'ग्रामश्री' कविता में कवि ने गाँव को मरकत डिब्बे सा खुला' क्यों कहा है ? 1

(2) 'इस विजन में दूर व्यापारिक नगर से प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है पंक्तियों में नगरीय संस्कृति के प्रति कवि का क्या आक्रोश है और क्यों ? 2

(3) बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है ? 2

प्रश्न 14. शहरवासी सिर्फ माटी वाली को नहीं, उसके कंटर को भी अच्छी तरह पहचानती है । आपकी समझ से वे कौन-से कारण रहे होंगे जिनके रहते 'माटी वाली' को सब पहचानते थे ? 4

अथवा

'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट करते हुए कोई अन्य उचित शीर्षक बताइए ।

प्रश्न 15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए– $2 \times 3 = 6$

(क) उमा शादी के नाम पर मुँह क्यों फुला लेती है ?

(ख) रामस्वरूप उमा की पढ़ाई के बारे में झूठ क्यों बोलते हैं ?

(ग) पुनर्वास के लिए माटीवाली को किस समस्या का सामना करना पड़ा ?

खण्ड-'घ'

पत्र-लेखन

प्रश्न 16. आपके विद्यालय में खेल-दिवस मनाया गया । आपने कई खेल-प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेकर पुरस्कार जीते । अपने पूर्व खेल-शिक्षक को पत्र लिखकर अपनी उपलब्धि के बारे में बताइए तथा आगे भी उनके दिशा-निर्देश तथा आशीर्वाद की इच्छा व्यक्त कीजिए । 5

अथवा

अत्यधिक गर्मी के कारण प्रार्थना सभा में आपकी कक्षा का एक विद्यार्थी बेहोश हो गया। तेज धूप में

(ग) लेखक को प्रेमचन्द का जूता फटने का क्या कारण प्रतीत होता है ?

(घ) सालिम अली को पक्षियों की दुनिया की ओर किस बात ने मोड़ा ?

(ङ) जनरल आउटरम ने मैना के साथ कैसा बर्ताव किया ?

प्रश्न 12. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए एवं उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए । 5

''बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,

'बरस बाद सुधि लीन्ही'

बोली अकुलाई लता ओट हो किवाड़ की,

हरसाया ताल लाया पानी परात भर के ।

मेघ आए बड़े बन ठन के सँवर के ।

क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी

'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भस्म की'

बाँध टूटा झर-झर मिलन के अश्रु ढरके !

(1) बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर किसका स्वागत किया और क्यों ? 1

(2) 'बरस बाद सुधि लीन्ही' किवाड़ की ओट लिए लता ने ऐसा क्यों कहा ? 1

(3) ताल पानी की परात क्यों लेकर आया ? 1

(4) भ्रम की कौन-सी गाँठ खुल गई है जिसके लिए क्षमा माँगी गई है । 1

(5) उपरोक्त काव्यांश में से अनुप्रास अलंकार के दो उदाहरण छाँटिए : 1

अथवा

''मैं दक्षिण में दूर-दूर तक गया

और मुझे हमेशा माँ याद आई

दक्षिण को लाँघ लेना संभव नहीं था

होता छोर तक पहुँच पाना

तो यमराज का घर देख लेता

पर आज जिधर भी पैर करके सोओ

वही दक्षिण दिशा हो जाती है

सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं

और वे सभी में एक साथ

(2) सालिम अली का यह आखिरी पलायन कैसे था ? 1

(क) अपना काम छोड़ रहे थे (ख) अपना दफ्तर छोड़ के भाग रहे थे

(ग) विदेश जाकर बस रहे थे (घ) मौत के आगोश में चले गए

(3) सालिम किस वन पक्षी की तरह थे 1

(क) जो बंधनों में रह कर गीत गाता है (ख) जो पानी में खेलता है

(ग) जो मुक्त प्रवृति में गीत गाता है (घ) जो आकाश में ऊँचा-ऊँचा उड़ता है

(4) प्रवृति से सालिम अली का संबंध कैसा था ? 1

(क) प्रवृति उनके लिए उपयोग की वस्तु थी (ख) वे प्रवृति पर विजय पाना चाहते थे

(ग) वे प्रवृति का दोहन कर सफल होना चाहते थे (घ) वे प्रवृति का आत्मीय हिस्सा बन कर रहते थे

(5) 'सपनों के गीत गाना' का तात्पर्य है

(क) अपना पसंदीदा कार्य करना (ख) नींद में गाने गाना

(ग) गाने में सपनों का वर्णन करना (घ) झूठी बातें करना

अथवा,

अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई मेरे परिवार में प्राय: दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं । सुना है उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमधाम भेज देते थे । फिर मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा-पूजा की। हमारी कुलदेवी दुर्गा थीं। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी। हिन्दी का कोई वातावरण नहीं था। संक्षेप में उत्तर दें लिखें ।

(क) लेखिका के बाबा ने दुर्गापूजा क्यों की ?

1. (ख) पहले लड़कियों के पैदा होने पर क्या करते थे और क्यों ?

2. (ग) ''मुझे वह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है ।'' से लेखिका का क्या आशय है ?

2 प्रश्न 11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

2 (ञ) 5

(क) गुरुदेव ने अपनी एक कविता में मैना को लक्ष्य करके क्या लिखा है ?

(ख) 'मेरे बचपन के दिन' पाठ में बापू ने लेखिका की कौन सी वस्तु माँग ली और क्यों ?

किया । वह प्रवृति की (ङ) .....गोद में पला-बढ़ा और इसी पर आश्रित हो गया ।

(क) (1) लेन (2) देन

(3) मेल (4) खेल

(ख)

(1) अनुपम (2) अपार

(3) अगठित (4) अटूट

(ग) (1) भूतकाल (2) वर्तमान काल

(3) आदिकाल

(4) भविष्यकाल

(घ) (1) आश्रित (2) पूरक

(3) सहयोगी (4) विरोधी

(ङ) (1) स्वच्छ

(2) महिलन

(3) लघु (4) सुरम्य

खण्ड-'ग'

प्रश्न 10. 1 ञ 5

इस हुजूम में आगे-आगे चल रहे हैं, सालिम अली । अपने कंधे पर सैलानियों की तरह अपने अंतहीन सफर को बोझ उठाए । लेकिन यह सफर पिछले तमाम सफरों से भिन्न है । भीड़-भाड़ की जिन्दगी और तनाव के माहौल से सालिम अली का यह आखिरी पलायन है । अब तो वो उस वन-पक्षी की तरह प्रवृति में विलीन हो रहे हैं जो जिन्दगी को आखिरी गीत गाने के बाद मौत की गोद में जा बसा हो । कोई अपने जिस्म की हरारत और दिल की धड़कन देकर भी उसे लौटाना चाहे तो वह पक्षी अपने सपनों के गीत दोबरार कैसे गा सकेगा । उपर्युक्त गद्यांश के आधार पर सही विकल्पों का चयन कीजिए :

(1) अंतहीन सफर का आशय है 1

(क) बहुत लम्बी यात्रा (ख) मृत्यु के उपरान्त अंतिम यात्रा

(ग) जंगलों में भटक जाना (घ) हुजूम में आगे चलना

4. निम्नांकित पंक्तियों में अलंकार बताइए :

(क) काली घटा का घमंड घटा ।

(ख) तरनि तनुजा तट तमाल तरुवर बहु छाए ।

(ग) चरण कमल पादौ हरि राई ।

5. निम्नलिखित वाक्यों को चार भागों में विभाजित किया गया है इन चारों भागों में से एक भाग में त्रुटि है उस भाग को चुनकर लिखिए । 4

(1) (क) आज (ख) देश (ग) सर्वस्व (घ) शांति है

(2) (क) गुलाब के पौधे पर (ख) मैंने (ग) कई फूल (घ) को देखा

(3) (क) आज बाजार में (ख) एक भी (ग) दुकान (घ) नहीं खुला

(4) (क) रामचरित मानस (ख) पढ़कर (ग) पाठक की (घ) आँख

6. निम्नलिखित सामासिक पदों के विग्रह और नाम का सही विकल्प चुनकर लिखिए :

(क) आज्ञानुसार 1

(1) आज्ञा के अनुसार–तत्पुरुष समास (2) आज्ञा के अनुसार–अव्ययीभाव समास

(3) आज्ञा और अनुसार–द्वन्द्व समास (4) जो आज्ञा को माने–बहुब्रीहि समास

(ख) त्रिभुवन

(1) तीन है जो भुवन–बहुब्रीहि समास (2) तीसरा भुवन–कर्मधारय समास

(3) तीन भुवन–द्विगु समास (4) तीन भुवनों (लोकों) का समूह–द्विगु समास

(ग) अकालपीड़ित 1

(1) अकाल से पीड़ित–तत्पुरुष समास (2) अकाल द्वारा पीड़ित–कर्मधारय समास

(3) अकाल और पीडित–द्वन्द्व समास (4) अकाल में पीड़ित–अव्ययीभाव समास

7. निम्नलिखित गद्यांश के वाक्यों में से कुछ शब्द निकाल दिए गए हैं ये शब्द हर रिक्त स्थान 'क' से 'घ' के लिए दिए गए विकल्पों में शामिल हैं। गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और सही विकल्प चुनकर लिखिए: 5

प्रकृति ईश्वर की (क).....है और वन प्रवृति का (ख).....उपहार । मनुष्य और प्रवृति (ग).....से ही एक-दूसरे पर (घ) ..... रहे हैं । प्रवृति ने ही मनुष्य को संरक्षण प्रदान

(1) कवि बादल से क्या करने के लिए कहता है ? 1

(क) बरसने के लिए (ख) गरजने के लिए

(ग) आसमान में विचरण करने के लिए (घ) जाने के लिए

(2) 'बादल' का समानार्थी शब्द है 1

(क) विद्युत छवि (ख) धाराधर

(ग) काले घुँघराले (घ) अनंत के घन

(3) 'निदाघ' शब्द से तात्पर्य है : 1

(क) आग (ख) वर्षा

(ग) गर्मी (घ) बादल

(4) कवि ने बादल की उपमा किससे की है ? 1

(क) बाल कल्पना (ख) नव जीवन

(ग) नूतन कविता (घ) अज्ञात दिशा

(5) 'घेर घेर घोर गगन' पंक्ति में अलंकार बताइए : 1

(क) उपमा (ख) उत्प्रेक्षा

(ग) यमक (घ) अनुप्रास

खण्ड–'ख'

5. (क) निम्नलिखित शब्दों के समक्ष दिए गए मूल शब्द में जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय के और प्रत्यय के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।

1. स्वावलम्बन : 1

(क) स्वः + अवलम्बन (ख) स्व + अवलम्बन

(ग) स्वा + अवलम्बन (घ) स्व + अवलम्बन

2. मानवीयता : 1

(क) मानव + ईय + ता (ख) मानव + ईयता

(ग) मान + वीय + ता (घ) मानवीय + ता

3. अर्थ की दृष्टि से वाक्य भेद बताइए–

(क) यदि वह आ जाता तो मैं घर पर ही मिलती ।

(ख) भगवान आपका भला करें ।

(ग) अब तुम चले जाओ ।

(2) कवि के अनुसार किस प्रकार का जीवन व्यर्थ है ? 1

(क) कुछ भी बनकर जीना (ख) समझौतावादी

(ग) खून पसीना बहाकर (घ) मनुष्य को सर्वस्व अर्पित करके

(3) 'कायर' से तात्पर्य है : 1

(क) डरपोक (ख) समझौतावादी

(ग) कातर (घ) दुष्ट

(4) 'पाहन' शब्द का पर्यायवाची है । 1

(क) मेहमान (ख) पैर

(ग) पत्थर (घ) पर्वत

(5) 'कुछ भी बन, बस कायर मत बन' । कवि ने क्यों कहा है ? 1

(क) कुछ भी बनाना मुश्किल है (ख) कुछ भी बनना बहुत आसान है

(ग) कायर मनुष्य अच्छा नहीं होता (घ) कायर मनुष्य का जीवन व्यर्थ है

प्रश्न 4. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के सही विकल्प छाँट कर लिखिए । 5

बादल गरजो !
घेर घेर घोर गगन, धाराधर ओ !
ललित ललित, काले घुँघराले,
बाल कल्पना के–से पाले,
विद्युत–छवि उर में कवि नवजीवन वाले !
वज्र छिपा, नूतन कविता
फिर भर दो
बादल, गरजो !
विकल विकल, उन्मन थे उन्मन
विश्व के निदाध के सकल जन
आए अज्ञात दिशा से अनंत के घन !
तप्त धरा, जल से फिर
शीतल कर दो–
बादल, गरजो !

2. 'लकड़ी' का प्रतिरूप क्या है ? 1

(क) लकड़ी का बुरादा (ख) फर्नीचर

(ग) कोयला (घ) नारियल का जूट

3. वृक्षों से परोक्ष फायदा किसमें हो सकता है । 1

(क) बाढ़ नियंत्रण (ख) फर्नीचर

(ग) परिवहन (घ) भवन निर्माण

4. 'पंचवटी' का समास विग्रह है । 1

(क) पाँच वटों का समाहार (ख) पाँच हैं वट जिसके

(ग) पंच के लिए वटी (घ) पंच और वटी

5. इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है । 1

(क) मानव जीवन (ख) पेड़-पौधे और हमारा जीवन

(ग) पंचवटी (घ) जीवन और जीविका

3. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए । 5

कुछ भी बन बस कायर मत बन
ठोकर मार, पटक मत माथा
तेरी राह रोकते वाहन
कुछ भी बन, बस कायर मत बन
ले देकर जीना, क्या जीना ?
कब तक गम के आँसू पीना ?
मानवता ने तुझको सींचा
बहा युगों तक खून-पसीना ।
कुछ न करेगा ? किया करेगा
रे मनुष्य–बस कातर क्रन्दन ?
अर्पण कर सर्वस्व मनुज को,
कर ने दुष्ट को आत्म समर्पण
कुछ भी बन बस कायर मत बन ।

(1) कवि क्या करने की प्रेरणा दे रहा है ? 1

(क) गम के आँसू पीने की (ख) आत्मसमर्पण की

(ग) रूकावटों को ठोकर मारने की (घ) कायर न बनने की

2. लक्ष्य प्राप्त करने में प्रमुख बाधा क्या है ? 1

(क) अशिक्षित होना (ख) ज्ञान का अभाव

(ग) यथार्थ दर्शन (घ) अनुशासन हीनता

3. जीवन का एक मात्र उद्देश्य क्या है ? 1

(क) एक शक्तिप्रद अनुशासन पर चलना (ख) बौद्धिक अनुगमन करना

(ग) शिक्षित होना (घ) अज्ञान से मुक्त होना

4. 'अनुशासन' शब्द के उपसर्ग का सही विकल्प है : 1

(क) अन + उशासन (ख) अ + नुशासन

(ग) अनु + शासन (घ) अनुशा + सन

5. इस गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक है : 1

(क) जीवन दर्शन (ख) दार्शनिकता

(ग) सत्य की खोज (घ) भारतीय दर्शन

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए । 5

मानव जाति अपने उद्‌भवकाल से ही प्रकृति की गोद में ही जन्म लिया और उसी से अपने भरण-पोषण की सामग्री प्राप्त की। सभी प्रकार के वन्य या प्राकृतिक उपादान ही उसके जीवन और जीविका के एकमात्र साधन थे । प्रकृति ने ही मानव जीवन को संरक्षण प्रदान किया। रामचन्द्र सीता व लक्ष्मण ने भी पंचवटी नामक स्थान पर कुटिया बनाकर वनवास का लम्बा समय व्यतीत किया था । वृक्षों की लकड़ी से मानव अनेक प्रकार के लाभ उठाता है । उसने लकड़ी को ईंधन के रूप में प्रयुक्त किया । इससे मकान व झोपड़ियाँ बनाई। इमारती लकड़ी से भवन निर्माण, कृषि यंत्र, परिवहन जैसे रथ, ट्रक तथा रेलों के डिब्बे तथा फर्नीचर आदि बनाए जाते हैं। कोयला भी लकड़ी की प्रतिरूप है। वृक्षों की लकड़ी तथा उसके उत्पाद जैसे–नारियल का जूट, लकड़ी का बुरादा, चीड़ की लकड़ी आदि विभिन्न इससे वस्तुओं का प्रयोग फल, काँच के बर्तन आदि नाजुक पदार्थों की पैकिंग से किया जाता है। इस प्रकार वृक्षों से विभिन्न प्रत्यक्ष लाभों के अतिरिक्त परोक्ष फायदे भी हैं । जीवनदायिनी ऑक्सीजन पेड़ों से प्राप्त होती है । वृक्षों के आधिक्य से बाढ़ नियंत्रण में सहायता मिलती है ।

1. आदिकाल में मानव जीवन किस पर आधारित था ? 1

(क) फल-फूल (ख) वन्य या प्राकृतिक उपादान

(ग) कल-कारखाने (घ) कृषि यंत्र

आदर्श प्रश्न पत्र (SA-2)

कक्षा–नौवीं **अधिकतम समय : 3 घण्टे**

अंक : 40

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं–क, ख, ग और घ ।

(2) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(3) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड-'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर पुस्तिका में लिखिए–

भारतीय दर्शन सिखाता है कि जीवन का एक आशय और लक्ष्य है उस आशय की खोज हमारा दायित्व है और अंत में उस लक्ष्य को प्राप्त कर लेना, हमारा विशेष अधिकार है । इस प्रकार दर्शन जो कि आशय को उद्घाटित करने की कोशिश करता है और जहाँ तक उसे इसमें सफलता मिलती है वह इस लक्ष्य तक अग्रसर होने की प्रक्रिया है । कुल मिलाकर आखिर यह लक्ष्य क्या है ? इस अर्थ में यथार्थ की प्राप्ति वह है जिसमें पा लेना केवल जानना नहीं है बल्कि उसी का अंश हो जाना है । इस उपलब्धि में बाधा क्या है ? बाधाएँ कई हैं। पर इनमें प्रमुख है–अज्ञान । अशिक्षित आत्मा नहीं है यहाँ तक कि यथार्थ संसार भी नहीं है । यह दर्शन ही है जो उसे शिक्षित करता है और अपनी शिक्षा से उसे उस अज्ञान से मुक्ति दिलाता है, जो यथार्थ दर्शन नहीं होने देता । इस प्रकार एक दार्शनिक होना एक बौद्धिक अनुगमन करना नहीं हे बल्कि एक शक्तिप्रद अनुशासन पर चलना है क्योंकि सत्य की खोज में लगे हुए सही दार्शनिक को अपने जीवन को इस प्रकार आचरित करना पड़ता हे ताकि उस यथार्थ से एकाकार हो जाय जिसे वह खोज रहा है। वास्तव में यही जीवन का एकमात्र सही मार्ग है और सभी दार्शनिकों को इसका पालन करना होता है और दार्शनिक ही नहीं बल्कि सभी मनुष्यों को क्योंकि सभी मनुष्यों के दायित्व और निर्यात एक ही है ।

1. भारतीय दर्शन किस लक्ष्य की ओर संकेत करता है ? 1

(क) यथार्थ की प्राप्ति कर लेना (ख) जीवन का एक आशय और लक्ष्य है

(ग) यथार्थ के साथ एकाकार हो जाना (घ) शिक्षित हो जाना

(3) (ख) चन्द्र जैसा मुख–कर्मधारय

(4) (क) उपमा (ख) रूपक (ग) अनुप्रास

खण्ड–(ग)

4. (क) फसल तैयार हो गयी है और पीले फूल की शोभा सब ओर फैल गयी है ।

(ख) विवाह हो गया है एवं पीले रंग के फूल खिल आए ।

(ग) कवि–केदारनाथ अग्रवाल

कविता–चन्द्र गहना से लौटती बेर

5. (1) (ख) हरिशंकर परसाई

(2) (ख) प्रेमचन्द

(3) (ग) उसके फटे होने पर

(4) (ख) दिखावा करने

(5) (क) अलग–अलग रूप

6. (क) प्रेमचन्द गांव के साधारण किसानों के भाँति जीवन यापन करते थे । साधारण कुरता–धोती पहनते थे । उनके साधारण से जूतों को देख कर उनकी सादगी का परिचय मिलता है ।

(ख) उनकी माता धार्मिक भजन लिखा करती थी एवं गाया भी करती थी । यहीं से उन्हें ब्रजभाषा में लिखने की प्रेरणा मिली ।

(ग) हरा चना आकार में ठिगना है वह दूल्हे के रूप में सजकर खड़ा है । उसने अपने सिर पर गुलाबी फूलों की पगड़ी पहन रखी है ।

(घ) तला ने बादल रूपी मेहमान को किवाड़ की ओट से देखा क्योंकि वह अपने प्रियतम के कई दिनों के बाद आने पर उनसे रूठी है। उन्हें देखे बिना भी वह नहीं रह पाती।

(ङ) नारी–शिक्षा को समाज में स्थान दिलाना एवं नारियों की स्थिति में सुधार लाना ।

खण्ड–(घ)

7. (क) पत्र का आरंभ, विस्तार, समापन ।

(ख) विषय सामग्री

(ग) भाषा शैली ।

●

फॉरमेटिव परीक्षा (FA-3)

विषय–हिन्दी

कक्षा–नौवीं

उत्तरमाला

निर्देश :

(1) वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प स्वीकारें । यदि केवल विकल्प–संख्या भी लिखें तो स्वीकार्य है ।

(2) पाठ्यपुस्तक के प्रश्नों के उत्तर केवल संकेतक हैं । परीक्षार्थी इनसे भिन्न उत्तर भी दे सकता है। उसकी उपयुक्तता और मौलिकता विचार कर अंक दें ।

(3) खंड (घ) में परीक्षार्थी की अभिव्यक्ति और मौलिकता अपेक्षित है । भाषिक अशुद्धियों पर एक–एक अंक से अधिक न काटा जाए।

खण्ड-'क'

1. अपठित गद्यांश :

(1) (घ) वैभव एवं सुन्दरता के कारण ।

(2) (ग) वह राम की जन्मभूमि न थी ।

(3) (ग) देश में निष्कासन ।

(4) (घ) रज ।

(5) (ग) परोक्ष ।

2. अपठित पद्यांश :

(1) (घ) समाज का कल्याण करने के लिए ।

(2) (क) दूसरों के लिए जीता था ।

(3) (ख) कष्ट

(4) (ख) खट्टा भोजन किया

(5) (क) त्याग देना

खण्ड-(ख)

3. व्याकरण :

(1) (ख) भरमार

(2) (घ) आवश्यकता ।

6. निम्नलिखित लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) 'प्रेमचन्द के फटे जूते' व्यंग्य के आधार पर प्रेमचन्द की वेशभूषा और रहन-सहन पर प्रकाश डालिए ।

(ख) महादेवी वर्मा की काव्य-प्रेरणा क्या थी ?

(ग) 'चन्द्र गहना से लौटती बेर' के आधार पर हरे चने के सौन्दर्य का वर्णन कीजिए ।

(घ) लता ने बादल रूपी मेहमान को किस तरह देखा और क्यों ?

(ङ) 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का मुख्य उद्देश्य लिखिए ।

खण्ड-(घ)

7. परीक्षा के दिनों संगीत-समारोह बंद कराने की प्रार्थना करते हुए अपने नगर-निगम के अधिकारी को पत्र लिखिए । 4

अथवा

प्रात:कालीन भ्रमण के लाभ बताते हुए अपनी छोटी बहन को पत्र लिखिए ।

●

हाथ पीले कर लिए हैं,

ब्याह-मंडप में पधारी

फाग गाता मास फागुन

आ गया है आज जैसे ।

(क) सरसों को सयानी कहने के पीछे क्या आशय है ? 2

(ख) 'हाथ पीले कर लिए हैं' के अर्थ स्पष्ट कीजिए । 2

(ग) उपर्युक्त पद्यांश के कवि एवं कविता का नाम लिखिए । 1

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

मेरी दृष्टि इस जूते पर अटक गई । सोचता हूँ–फोटो खिंचाने की अगर यह पोशाक है तो पहनने की कैसी होगी ? नहीं इस आदमी की अलग-अलग पोशाकें नहीं होंगी–इसमें पोशाकें बदलने का गुण नहीं है । यह जैसा है वैसा ही फोटो में खिंच जाता है।

(1) यहाँ 'मेरी' से क्या आशय है ?

(क) प्रेमचन्द (ख) हरिशंकर परसाई

(ग) हजारी प्रसाद द्विवेदी (घ) महादेवी वर्मा

(2) 'इस आदमी' का आशय है :

(क) प्रगतिशील मनुष्य (ख) प्रेमचन्द

(ग) लेखक (घ) आज का मनुष्य

(3) जूते की किस विशेषता पर लेखक का ध्यान अटक गया ?

(क) जूते की नोक पर (ख) चमक पर

(ग) उसके फटे होने पर (घ) रूखेपन पर

(4) 'पोशाक' बदलने का गुण का आशय है :

(क) फैशन करने (ख) दिखावा करने

(ग) स्वयं को सुन्दर दिखाना (घ) रंग बदलना

(5) 'अलग-अलग पोशाकों' से तात्पर्य है :

(क) अलग-अलग रूप (ख) समृद्धि

(ग) भिन्नता (घ) अलग-अलग भाषाएँ

(3) 'औरों के कंटक दूर किए' कथन में 'कंटक' का आशय है :

(क) काँटे (ख) कष्ट

(ग) शत्रु (घ) पाप

(4) काव्यांश में राम के बारे में क्या नहीं कहा गया है :

(क) वनवास स्वीकार किया (ख) खट्टा भोजन किया

(ग) अयोध्या को त्याग दिया (घ) कष्टों को सहन किया

(5) 'लात मारना' मुहावरे का अर्थ है :

(क) त्याग देना (ख) घूसे-लात मारना

(ग) कुटाई करना (घ) परेशान करना

खण्ड-(ख)

3. निम्नलिखित व्याकरण से संबंधित बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए- $1 \times 6 = 6$

(1) 'भर' उपसर्ग युक्त शब्द छाँटिए :

(क) भरा (ख) भरमार

(ग) भारत (घ) भार्या

(2) 'ता' प्रत्यय का प्रयोग किस शब्द में हुआ है :

(क) पिता (ख) खता

(ग) लता (घ) आवश्यकता

(3) 'चन्द्रमुख' में समास है :

(क) चन्द्र और मुख-द्वन्द्व (ख) चन्द्र जैसा मुख्या-कर्मधारय

(ग) चन्द्र में सुख-तत्पुरुष (घ) चन्द्र से मुख तक-अव्ययीभाव

3. निम्नांकित पद्यांशों का अलंकार बताइए :

(क) यह शिला-सा वक्ष ये चट्टान-सी मेरी भुजाएँ ।

(ख) मैया मैं तो चन्द्र खिलौना लैंहो ।

(ग) सुरभित सुन्दर सुखद सुमन तुझ पर खिलते हैं

खण्ड-ग

4. निम्नलिखित पद्यांश का पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

ओर सरसों की न पूछो-

हो गई सबसे सयानी,

(3) मातृभूमि क्या नहीं करती :

(क) जीवन को आधार देना (ख) अन्न-जल से पोषण

(ग) देश में निष्कासन (घ) विपत्ति में शरण

(4) 'धूल' शब्द का पर्यायवाची शब्द है :

(क) राज्य (ख) अमन

(ग) शय्या (घ) रज

(5) 'समक्ष' का विलोम शब्द है :

(क) विपक्ष (ख) प्रत्यक्ष

(ग) परोक्ष (घ) निष्पक्ष

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : (1 × 5 = 5)

जीवन दीप जले ।
जीवन दीप जले ऐसा, सब जग को ज्योति मिले
जीवन दीप जले ।
इसी सत्य पर रामचन्द्र ने राजपाट सब त्याग दिया,
छोड़ अवध माया की नगरी, कानन को प्रस्थान किया ।
सुख-वैभव को लात मारकर, कष्टों के संग वास किया,
षट-रस व्यंजन त्याग, जंगल फल खाए सर-नीर पिया ।
स्वयं कंटकों को चूमा औरों के कंटक दूर किए,
जन्म सफल है उस मानव का जो परहित ही सदा जिये,
तृषितों को सुरसरि देते जो हिमगिरि-सा चुपचाप गले ।
जीवन दीप जले ।

(1) 'जीवन दीप' क्यों जले ?

(क) रात को प्रकाशित करने के लिए (ख) संसार को प्रकाशित करने के लिए

(ग) जीवन को प्रेरित करने के लिए (घ) समाज का कल्याण करने के लिए

(2) उसका जन्म सफल माना गया है जो :

(क) उन्नति के शिखर पर (ख) प्रसिद्ध हो

(ग) बलिदानी हो (घ) दूसरों के लिए जीता हो

फॉरमेटिव परीक्षा (FA-3)

विषय–हिन्दी

कक्षा–नौवीं **अधिकतम समय : 1.30 घण्टे**

अंक : 40

निर्देश :

(1) इस प्रश्न पत्र के चार खण्ड हैं–क, ख, ग और घ ।

(2) चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

(3) यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।

खण्ड–'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर छाँटकर लिखिए : (1 × 5 = 50

लंका की समृद्धि तथा सौन्दर्य को देखकर रावण की मृत्यु के बाद लक्ष्मण ने राम के समक्ष जब लंका को ही अपनी राजधानी बना लेने का प्रस्ताव रखा तो श्री राम ने उत्तर दिया–

लंका चाहे स्वर्णमयी हो, पर मुझे रूचती नहीं क्योंकि जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी श्रेष्ठ होती है। जननी हमें जन्म देती है तो जन्मभूमि हमें जीवन का आधार प्रदान करती है। मातृभूमि हमें अनेक प्राकर से उपकृत करती है । हम इसी की धूल में सरक-सरक चलना सीखते हैं, इसी के अन्न जल से हमारा शरीर बनता है । इसे शरणदायिनी आदि विशेषणों से संबोधित किया गया है। प्रत्येक मानव का कर्त्तव्य है कि वह अपनी मातृभूमि की उन्नति के लिए प्रयासरत रहे तथा उसकी रक्षा के लिए कृतसंकल्प हो 'स्वर्ग' की हम केवल कल्पना कर सकते हैं, पर इसके साक्षात् दर्शन अपनी मातृभूमि के रूप में कर सकते हैं। जो व्यक्ति अपनी मातृभूमि से प्रेम नहीं करता वह मनुष्य होकर भी पशु तुल्य है ।

(1) लक्ष्मण ने रावण के समक्ष लंका को अपनी राजधानी बनाने का प्रस्ताव क्यों रखा ?

(क) रावण का मान रखने के लिए (ख) समुद्र से घिरी होने के कारण

(ग) विशेष लगाव के कारण (घ) वैभव एवं सुन्दरता के कारण

(2) राम ने यह प्रस्ताव नहीं माना क्योंकि :

(क) लंका में राम का शत्रु रहता था (ख) वह सोने की बनी थी

(ग) वह राम की जन्मभूमि न थी (घ) वहाँ रहना सुरक्षित न था

हरसाया ताल लाया पानी परात भर के

मेघ आए बड़े बन ठन के सँवर के

क्षितिज अटारी गहराई दामिनी दमकी

(i) बरस बाद में कौन सा समास है ?

(ii) लता को किस रूप में प्रस्तुत किया गया है ? उसकी व्यथा का वर्णन कीजिए ।

(iii) दामिनी किसका पर्यायवाची है ?

(iv) जुहार करने का क्या अर्थ है ?

(v) मानवीकरण अलंकार कहाँ होता है ?

8. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए :

(i) सेनापति 'हे' ने जनरल आउटरम से क्या प्रार्थना की ?

(ii) लेखिका और प्रेमचन्द के विचार में परदे का महत्व अलग-अलग कैसे हैं ?

(iii) सरसों को 'सयानि' कहकर कवि क्या कहना चाहता है ?

(iv) 'मेघ आए' कविता में जिन रीति रिवाजों का चित्रण हुआ है, उसका वर्णन कीजिए ?

(v) गोपाल प्रसाद विवाह को बिजनेस मानते हैं और रामस्वरूप अपनी बेटी की उच्च शिक्षा को छिपाते हैं । क्यों आप मानते हैं कि दोनों अपराधी है ? अपने विचार लिखे ।

●

6. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :

टोपी आठ आने में मिल जाती है और जूते उस जमाने में भी पाँच रुपए से कम में क्या मिलते होंगे। जूता हरदम टोपी से कीमती रहा है। अब ताक जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं। तुम भी जूते और टोपी के आनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे । तुम महान कथाकार, उपन्यासकार-सम्राट, युग-प्रवर्तक, जाने क्या-क्या कहलाते थे, मगर फोटो में भी तुम्हारा जूता फटा हुआ है ।

(i) जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है का आशय है :

(क) जूता महंगा व टोपी सस्ती है । (ख) इज्जत सस्ती और ताकत कीमती है ।

(ग) हमेशा से जूता महंगा ही है । (घ) टोपी और जूते की तुलना गलत है ।

(ii) प्रेमचन्द टोपी और जूते के आनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे ?

(क) प्रेमचन्द लेखक थे (ख) प्रेमचन्द को पैसे की कमी थी

(ग) प्रेमचन्द इस तरह नहीं सोचते थे (घ) प्रेमचन्द की कीमत नहीं पहचानी

(iii) प्रेमचन्द ने फटा जूता क्यों पहना था ?

(क) प्रेमचन्द के पास फटा हुआ जूता था (ख) वह इस बात की तरफ लापरवाह थे

(ग) वे जानबूझकर फटा जूता पहनते थे (घ) उनके जैसी सोच का व्यक्ति जूतों के बारे में नहीं सोचता

(iv) 'जाने क्या-क्या कहलाते थे' से लेखक क्या स्पष्ट करना चाहता है ?

(क) लेखक के प्रति सम्मान (ख) लेखक के प्रति सहानुभूति

(ग) लेखक की यथार्थ स्थिति (घ) लेखक की फोटो खिंचवाने के प्रति उदासीनता

(v) 'कीमती' में कौन-सा प्रत्यय है ?

(क) ई (ख) इ

(ग) ती (घ) मती

7. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए :

बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की
बरस बाद सुधि लीनी
बोली अकुलाई लता ओट हो किवार की

(v) गद्यांश का उपर्युक्त विकल्पों से चुनिए :

(क) दलित जन पर करो करुणा (ख) तुम्हारी शक्ति अरुणा

(ग) हो मुख मनोभावन (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. दिए गए उपसर्ग, प्रत्यय के विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

(i) आक्रमण

(क) आक + मण (ख) अ + कमण

(ग) आ + कमण (घ) आकम + अण

(ii) प्रवचन

(क) प + वचन (ख) प्र + वचन

(ग) पर + वचन (घ) पर् + वचन

(iii) 'बा + इज्जत' से बना शब्द है :

(क) बाइजत (ख) बाइज्जत

(ग) बाइजात (घ) बाज्जत

(iv) आर्थिक

(क) आर्थ + इक (ख) अर्था + इक

(ग) ओर्थ + इक (घ) अर्थ + इक

4. (i) 'यथाशक्ति' जितना संभव हो में कौन सा समास है ?

(क) अव्ययीभाव (ख) द्विगु समास

(ग) द्वन्द्व समास (घ) बहुब्रीहि समास

(ii) 'पुस्तकालय' पुस्तकों के लिए आलय में कौन सा समास है ?

(क) संबंध तत्पुरुष (ख) सम्प्रदाय तत्पुरुष

(ग) अधिकरण तत्पुरुष (घ) करण तत्पुरुष

5. अर्थ के आधार पर वाक्य के भेदों के नाम लिखिए और उनके सामने उदाहरण भी लिखिए :

अर्थ के आधार पर वाक्य-भेद	उदाहरण
1.	.....
2.	.....
3.	.....
4.	.....

(iv) गणित में शून्य का क्या महत्व है ?

(क) ग्यारह हो जाते हैं (ख) अंक बढ़ जाते हैं

(ग) अंक दस गुणा बढ़ जाता है (घ) शून्य का कोई महत्व नहीं

(v) इस गद्यांश के लिए उपर्युक्त शीर्षक है ।

(क) सहयोग की भावना (ख) समाज की इकाई

(ग) शक्तिशाली भारत (घ) एकता में शक्ति

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों का उत्तर छाँटकर लिखिए :

दलित जन पर करो करुणा ।

प्रभु, तुम्हारी शकित अरुणा ।

हरे तन-मन प्रीति पावन,

मधुर हो मुख मनोभावन,

सहज चितवन पर तरंगित

हो तुम्हारी किरण तरुणा ।

देख वैभव मन सदा नत सिर,

समुद्धत मन सदा हो स्थिर,

पार कर जीवन निरन्तर

(i) 'करूणा' का पर्याय विकल्पों में से चुनिए :

(क) कृपा (ख) रहम

(ग) दया (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) उपर्युक्त गद्यांश किसे संबोधित है ?

(क) स्वामी को (ख) ईश्वर को

(ग) जनता को (घ) स्वयं को

(iii) 'दलित जन पर दया करो करूणा' का क्या आशय है ?

(क) गरीबों पर दया करना (ख) वंचितों पर कृपा करना

(ग) अभावग्रस्तों पर रहम करना (घ) उपर्युक्त सभी आशय ठीक है

(iv) 'हरे तन-मन.....पावन' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए :

(क) शक्ति (ख) पंक्ति

(ग) प्रीति (घ) भक्ति

फॉरमेटिव-3 (FA–3)

विषय–हिन्दी

कक्षा–नौवीं **आदर्श प्रश्न पत्र** **अधिकतम समय : 1.30 घण्टे**

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए ।

लोगों को यह कहते सुना जाता है कि एक और एक दो होते हैं परन्तु एक लोकाक्ति है एक और एक ग्यारह इस कथन का अभिप्राय है कि एकता में शक्ति होती है । जब दो व्यक्ति एक साथ मिलकर प्रयास करते हैं तो उसकी शक्ति कई गुना हो जाती है। मुनष्य सामाजिक प्राणी है। समाज अलग–अलग इकाइयों का समूहबद्ध रूप है, जिसमें हर इकाई समाज को शक्तिशाली बनाती है। विशिष्ट रूप में एक व्यक्ति का कोई महत्व नहीं परन्तु समष्टि रू से वह समाज की एक इकाई है। बाढ़ से बचने के लिए जब एक अंधे और लंगड़े में सहयोग हुआ तो अंधे को लंगड़े की आँखें तथा लंगड़े को अंधे की टांगें मिल गई और दोनों बच गए । एकता में शक्ति है । जो समाज एकता के सूत्र में बंधा नहीं रहता, उसका पतन अवश्यम्भावी है। भारत की परतन्त्रता इसी फूट का परिणाम थी। जब भारतवासियों ने मिलकर आजादी के लिए संघर्ष किया तो अंग्रेजों को यहाँ से भागना पड़ा । गणित में शून्य के प्रभाव से अंक दस गुना हो जाते हैं । अत: समाज का हर व्यक्ति सामूहिक रूप से समाज की रीढ़ होता है ।

(i) लोकोक्ति के अनुसार एक और एक ग्यारह क्यों होते हैं :

(क) ग्यारह को एक और एक कहते हैं (ख) एकता में बल होने से

(ग) एक और एक को अपने सामने रखने से (घ) उपर्युक्त सभी

(ii) गद्यांश में अए व्यष्टि शब्द से लेखक का आशय है :

(क) समूह (ख) इकाई

(ग) (क) और (ख) दोनों (घ) उपर्युक्त में से कोई नहीं

(iii) मिलजुल कर न रहने का क्या अंजाम हो सकता है :

(क) वह समाप्त हो सकता है (ख) उसका पतन हो सकता है

(ग) वह आजाद हो सकता है (घ) वह शक्तिशाली नहीं रहता

454 प्रेमनगर

जोधपुर

10 मार्च, 2013

प्रिय रंजना

सस्नेह स्मरण ।

तुम्हारा बधाई पत्र मिला । पढ़कर अपार प्रसन्नता मिली । यूँ तो आजकल मैं बहुत खुश हूँ क्योंकि ढेर सारे बधाई संदेश मिल रहे हैं, विद्यालय से मित्रों अध्यापकों से, परिचितों से, अपरिचितों से । सभी मेरी पीठ थपथपा रहे हैं । परन्तु तुम्हारे बधाई पत्र को पाकर मैं सचमुच बहुत प्रसन्न हूँ। क्योंकि तुम्हारे शब्दों को मैं बहुत महत्व देती हूँ । तुम्हारी प्रेरणा से ही मैंने इस दिशा में इतनी उन्नति की है। तुमने सफलता में ही नहीं असफलता के क्षणों में भी मुझे उत्साह दिया है । मेरी उस सफलता में तुम्हारे उत्साह बल न होता तो शायद आज मैं इस शिखर पर न पहुँच सकती ।

तुम्हारे बधाई पत्र के लिए कैसे कृतज्ञता व्यक्त करूँ शब्दों में सामर्थ्य नहीं वचन हो रहे बौने ।

मम्मी पापा को सादर नमस्कार ।

तुम्हारी

सुमेधा

धन्यवाद ।

प्रार्थी

रामचन्द्र

कक्षा–दसवीं (बी)

अनुक्रमाक–837

दिनांक 22 मार्च, 2014

(ii) आपके नगर के विद्युत अधिकारी को बिजली की कटौती के कारण पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयों की चर्चा करते हुए इसमें सुधार के लिए पत्र लिखिए ।

प्रेषक

केवल कृष्ण

22 मॉडल टाउन

डिब्रूगढ़

दिनांक 13 मार्च, 2014

सेवा में

विद्युत अधिकारी

डिब्रूगढ़

महोदय,

मैं आपका ध्यान बिजली संकट की ओर दिलाना चाहता हूँ । पिछले छः मास से नगर की विद्युत आपूर्ति खंडित हो गई है। जब चाहे चली जाती है और घंटों नहीं आती है ।

महोदय मैं एक विद्यार्थी हूँ । मेरे जैसे अन्य विद्यार्थी भी बिजली गुल होने कारण बेहद तनाव में हूँ ।

यदि ऐसा चलता रहा तो हमारा कैरियर चौपट हो जाएगा। कृपया आप कुछ कीजिए जिससे हमें नियमित बिजली मिलती रहे ।

भवदीय

केवल कृष्ण

(iii) तुम 454 प्रेमनगर जोधपुर की निवासी सुमेधा हो । तुम्हें तुम्हारी सखी रंजना ने पत्र द्वारा बधाई भेजी है जिसमें तुम्हें और अधिक आगे बढ़ने की प्रेरणा दी गई । अपनी सखी को इस बधाई पत्र के प्रत्युत्तर में एक कृतज्ञता पत्र लिखिए ।

सुमेधा

खण्ड–'घ'

पत्र लेखन एवं अनुच्छेद लेखन

खण्ड–'घ'

रचना

पत्र लेखन

पत्र लेखन एक महत्वपूर्ण कला है । आज के अति व्यस्त युग में इसका महत्व और अधिक बढ़ गया है । आज मानव के सरोकार बहुत अधिक बढ़ गए हैं । उसे प्रतिदिन कितने ही व्यक्तियों, संबंधियों, कार्यालयों से संपर्क साधना पड़ता है । हर स्थान पर वह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं हो सकता । उसे पत्र का सहारा लेना पड़ता है । अतः छात्र के लिए पत्र का सहारा लेना पड़ता है ।

पत्र के प्रकार–पत्र अनेक प्रकार के होते हैं । उन्हें दो भागों में विभाजित किया जा सकता है ।

1. औपचारिक पत्र : उसे कार्यालयी पत्र भी कहते हैं । ये पत्र हम किसी अधिकारी विशेष को लिखते हैं ।

2. अनौपचारिक पत्र : उसे व्यक्तिगत पत्र भी कहा जाता है । ये पत्र हम किसी अपने परिजनों को लिखते हैं ।

(i) आप चेन्नई के रामचन्द्र हैं आपका अनुक्रमांक 837 तथा कक्षा दसवीं (बी) के छात्र हैं । गत वर्ष आपका मासिक शुल्क कम था, इस बार भी प्रधानाचार्य को मासिक शुल्क कम करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए ।

सेवा में,

केन्द्रीय विद्यालय

आवडी (चेन्नई)

विषय : **मासिक शुल्क कम कराने हेतु**

श्रीमान् सविनय निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय में कक्षा दसवीं (बी) का छात्र हूँ । गत वर्ष मेरे पिता का देहान्त हो गया था जिसके कारण पिछले वर्ष मेरा मासिक शुल्क कम कर दिया गया था । आपसे निवेदन है कि इस वर्ष भी मेरा शुल्क कम कर दें ताकि मैं अपनी पढ़ाई जारी रख सकूँ ।

श्रीमान् जी मैंने नवीं कक्षा में 85% अंक लाकर विद्यालय के अग्रणी दस छात्रों में स्थान प्राप्त किया है । मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि इस वर्ष भी लगन और और परिश्रम से स्थान बनाए रखूँगा ।

हुआ दिल्ली पहुँचा । पेंटिंग में शौक होने के कारण उसने उकील आर्ट स्कूल ढूँढ़ा । प्रवेश परीक्षा के माध्यम से बिना फीस के विशेष परिस्थिति में प्रवेश मिल गया। इससे यह सिद्ध होता है कि किस्म उन्हीं का साथ देती है जो कुछ करने के लिए कदम बढ़ाते हैं ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. शमशेर बहादुर ने बात का धनी, हृदय मक्खन, संकल्प फौलाद जैसी विशेषण किसके लिए प्रयोग किए हैं, और क्यों ?

उत्तर–जीवन के संघर्ष काल में लेखक को अपना भविष्य अनिश्चित लग रहा था। जब मंजिल का कहीं पता भी नहीं थी, तब बच्चनजी ने बहुत सहयोग किया। लेखक अपने जीवन में बच्चन जी के योगदान को स्वीकार करते हुए कहा है कि उसने अपने जीवन में जो कुछ प्राप्त किया है, उसमें बच्चन जी का अविस्मरणीय योगदान है। बच्चनजी द्वारा प्राप्त आर्थिक एवं मानसिक सहयोग के कारण ही लेखक यहाँ तक पहुँचा। इसी कारण लेखक बच्चन जी की बात का धनी, हृदय मक्खन, संकल्प फौलाद जैसे विशेषण से नवाजता है। उन्होंने किसी की परवाह किए बिना अपने वचन को निभाया । उनका संकल्प फौलाद की तरह मजबूत था ।

2. तुम यहाँ रहोगे तो मर जाओगे.....तुम इलाहाबाद जाएगा तो मर जाएगा । ये कथन किसने कहे थे ? इनमें से लेखक ने किसवे उचित समझा ?

उत्तर–शमशेर बहादुर सिंह की पत्नी का निधन टी.बी. की बीमारी से हो चुका था। ऐसे में एकाकीपन उन्हें खाए जा रहा था, वे बहुत दुखी थे। लेखक की मन:स्थिति को जानकर कवि बच्चन ने कहा कि तुम यहाँ रहोगे तो मर जाओगे। देहरादून के अकेले परिवेश में पत्नी की यादें सताएगी । यहाँ कला की अभिव्यक्ति के लिए साहित्यिक वातावरण भी नहीं है, तुम अपने आपको व्यस्त नहीं रख पाओगे । इससे तुम्हरा दुख बढ़ेगा ।

लेखक की ऐसी स्थिथति देखकर देहरादून के एक डॉक्टर ने कहा था–तुम इलाहाबाद जाओगे तो मर जाएगा । अर्थात् इलाहाबाद में उनका दुख बाँटने वाला कोई न होगा । वहाँ पानी की याद जीवन को और कठिन बना देगी । लेखक ने दोनों पर विचार करके इलाहाबाद जाने का निर्णय लिया क्योंकि बच्चन के सानिध्य में असीम साहित्यिक संसार उनकी बाट जोह रहा था ।

2. काँसे के बर्तनों के गायब होने के पीछे लेखक समाज की किस प्रवृति पर व्यंग्य किया है ?

उत्तर–माटी वाली घरों में माटी देकर कुछ देर ठहरती थीं। परस्पर दुख सुख की बातें होती थीं। घर की मालकिन उसके दर्द को समझतीं शाम की बची रोटियाँ उसे दे देती। कभी-कभी रोटी के साथ चाय भी मिल जाती थी। यह घर में उसे पीतल के गिलास में चाय मिली तो उसने कहा कि अब तो घरों में पीतल की गिलास नहीं मिलती । यह सुनकर घर की मालकिन ने कहा–अब तो घरों से काँसे के बरतन भी दगायब हो रहे हैं। लोग काँसे और पीतल की वस्तुओं को रद्दी के भाव बेचते हैं। जब की यह उनके पुरखों के गाढ़ी कमाई से तन पेट काटकर बनाई हुई होती है। लोग इन विरासती का मूल्य नहीं समझते हैं। वे आधुनिकता तथा फैशन के नाम पर नई वस्तुएँ अपनाते जा रहे हैं। लेखक ने लोगों की इसी प्रवृति पर व्यंग्य किया है ।

किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया : शमशेर बहादुर सिंह

इस लेख में लेखक ने बतया है कि पहले वह उर्दू और अंग्रेजी में लिखता था। किन्तु बाद में उर्दू अंग्रेजी को छोड़कर हिन्दी में लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने अपने जीवन के कष्टों के साथ-साथ पंत, बच्चन तथा निराला के प्रति अपनी श्रद्धा भी व्यक्त की है ।

लघुत्तरात्मक प्रश्न

1. बच्चनजी ने शमशेर के भविष्य के विषय में क्या योजना बनाई थी ?

उत्तर–बच्चन जी शमशेर के भविष्य को लेकर चिन्तित रहते थे। वे लेखक को एक काम का आदमी बना देखना चाहते थे कि लेखक यूनिवर्सिटी से डिग्री लेकर पैर जमाकर आत्मनिर्भर हो जाए ।

2. शमशेर बहादुर उर्दू और अंग्रेजी में लिखते थे फिर हिन्दी की ओर कैसे आकर्षित हुए ?

उत्तर–लेखक के इलाहाबाद प्रवास के दौरान हिन्दी का वातावरण मिला साथ ही मित्रों एवं बच्चन, पंत, निराला से मिले संस्कारों के कारण, वह धीरे-धीरे हिन्दी की ओर आकर्षित हुआ ।

3. लेखक ने कविता में नए अभ्यास किए, उसका क्या परिणाम निकला ?

उत्तर–कविता में नए अभ्यास के परिणामस्वरूप 'सरस्वती' में छपी एक कविता ने निराला का ध्यान खींचा । 'रूपाम' ऑफिस में प्रारम्भिक प्रशिक्षण लेकर वे बनारस 'हंस' कार्यालय की कहानी में चले गए । अंततः बच्चन जी उन्हें साहित्यिक प्रांगण में खींच लाए ।

4. शमशेर बहादुर बाहर से शांत दिखाई देते थे । पर अन्दर से अशांत थे, क्यों ?

उत्तर–लेखक की पत्नी की मृत्यु टी.बी. से हो गई थी। इस दुख से वह अन्दर ही अन्दर टूट गया था । निठल्ला समझकर आत्मीयजन ताने देते थे। इसी कारण लेखक बाहर से शांत और अन्दर से अशांत था ।

5. किस्मत उन्हीं का साथ देती है जो कुछ कदम बढ़ाते हैं–पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

उत्तर–लेखक घर से बिना लक्ष्य के निकल पड़ा । उसे नहीं मालूम था कि कहाँ जाना है । वह भटकता

2. माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज्यादा सोचने का समय क्यों नहीं मिला ?

उत्तर–माटी वाली के पास अपने अच्छे या बुरे भाग्य के बारे में ज्यादा सोचने का समय नहीं था क्योंकि वह सुबह से शाम तक काम में भिड़ी रहती थी । काम नहीं होता तो पेट की चिन्ता और बढ़ा जाती । वह अपने से ज्यादा अपने बुड्ढे के बारे में सोचती थी ।

3. भूख मीठी की भोजन मीठा से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर–भूखे व्यक्ति का ध्यान भोजन पर होता है न कि भोजन के स्वाद पर । इसका अर्थ है कि भूख के वक्त स्वादिष्ट भोजन नहीं देखा जाता मात्र भूख मिटाने का उपाय सोचा जाता है। भूखे आदमी को रूखा-सूखा भोजन भी मीठा लगता है।

4. माटी लाने के आदेश के साथ माटी वाली को क्या मिला ? उसे पाकर वह क्या सोचने लगी?

उत्तर–माटी वाली को माटी लाने के आदेश के साथ दो रोटियाँ मिली । उसने रोटियों को अपने बुड्ढे के लिए कपड़े में बाँध कर लाया । वह रास्ते भर सोचती जा रही थी कि रोटियाँ पाकर बुड्ढ़े का चेहरा खिल जाएगा ।

5. टिहरी प्रोजेक्ट से ग्रामवासियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा संक्षेप में लिखिए ?

उत्तर–टिहरी बांध की दो सुरंगों को जैसे ही बन्द किया गया वैसे ही शहर में आपाधापी मच गई क्योंकि शहर में तेजी से पानी भरने लगा। लोग अपने-अपने घरों को छोड़कर भाग रहे थे । पानी भरने के कारण श्मशान घाट भी डूब गया था। माटी वाली अपने झोपड़े के सामने बैठी थी। उसका बुड्ढा परलोक सिधार गयाथा। वह हर आने जानेवाले से यही कह रही थी कि ''गरीब आदमी का श्मशान नहीं उजड़ना चाहिए ।''

दीर्घ उत्तर प्रश्न

1. माटी वाली पाठ में किस समस्या को प्रमुखता से उभारा गया है ? पाठ में निहित संदेश स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर–माटी वाली में विस्थापितों की उस समस्या को रेखांकित किया गया है जो टिहरी बांध बनने से उत्पन्न हुई थी इसका सबसे ज्यादा प्रभाव गरीबों, लाचार तथा असहाय लोगों पर पड़ा है। लोग विस्थापन की पीड़ा को समझें उनके प्रति सहानुभूतिपूर्वक विचार करें। माटी वाली जिस वर्ग का प्रतिनिधित्व करती है उसका अंतिम सहारा श्मशान तक छिन चुका है।

माटी वाली सर्वहारा है। उसके पास न जमीन है न कागजात, विस्थापन के बाद वह कहाँ जाएगी, उसका क्या होगा ? ऐसे ही प्रश्नों का जवाब खोजने की आवश्यकता है । प्रगति की कीमत इसी वर्ग को चुकानी पड़ती है। समाज एवं सरकार को इसी वर्ग के बारे में चिन्तन करने की आवश्यकता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नोत्तर

1. गोपाल प्रसाद विवाह को बिजनेस मानते हैं और रामस्वरूप अपनी बेटी की उच्च छिपाते हैं । क्या आप मानते हैं कि दानों समान रूप से अपराधी हैं तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

उत्तर–मेरी दृष्टि में दोनों समान रूप से दोषी हैं। रामस्वरूप उमा की शादी के लिए उसकी उम्र शिक्षा को छिपाते हैं। मेरे विचार से रामस्वरूप को ऐसे परिवार में अपनी बेटी का रिश्ता जोड़ने की नहीं सोचना चाहिए था। जहाँ शिक्षा का सम्मान न हो। रामस्वरूप को उमा को शिक्षित करने पर अपराध नहीं गर्व महसूस करना चाहिए था। दूसरी ओर गोपाल प्रसाद विवाह को बिजनेस मानते हैं। वह ऐसी पड़ताल करते हैं मानो विवाह नहीं फर्नीचर खरीदने आए हों। वह यह भूल जाते हैं कि विवाह बिजनेस नहीं पवित्र बंधन होता है। झूठ की बुनियाद पर खड़ा रिश्ता कभी सफल नहीं होता है। अत: मेरी दृष्टि में दोनों अपराधी हैं ।

2. उमा ने गोपाल प्रसाद से जो व्यवहार किया, वह कहाँ तक उचित है ?

उत्तर–गोपाल प्रसाद पुरातनपंथी सोच के प्रतीक हैं । ऐसे लोग स्त्री शिक्षा के विरोधी और नारी को उपभोग की वस्तु मानते हैं। उनके विचार से शिक्षित नारी अपने अधिकारों के लिए सजग हो जाएगी पुरुष के गलत कार्यों का विरोध करेगी जो उचित नहीं है। वे शिक्षा को सिर्फ लड़कों के लिए जरूरी मानते हैं। उमा ने उनके नारी शिक्षा विरोधी को जानकर ही कहा कि मैंने बी.ए. किया है, कोई पाप नहीं किया है ।

उमा द्वारा गोपाल प्रसाद के साथ किया गया व्यवहार सर्वथा उचित है। लड़का-लड़की समान है । लड़की के विरुद्ध सोच रखने वाले को इसी तरह की लताड़ की जरूरत है ।

माटी वाली : विद्यासागर नौटियाल

माटी वाली पाइ में विस्थापन की समस्या का मर्मस्पर्शी चित्रण किया गया है। इस समस्या से मजदूर तथा गरीब लोगों को सर्वाधिक दुख भोगना पड़ता है । आधुनिकता और विकास के नाम पर हम गरीब आदमी का शमशान भी उजाड़े जा रहे हैं। हमारा ध्यान सर्वहारा की ओर होना चाहिए ।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. शहरवासी सिर्फ माटी वाली को ही नहीं उसके कंटर को भी अच्छी तरह पहचानते हैं । आपकी समझ में वे कौन से कारण रहे होंगे, जिनके रहते माटी वाली को सब पहचानते थे ।

अथवा

टिहरी शहरवासियों के लिए माटी वाली का क्या महत्व है ? वे माटी वाली को किस तरह पहचानते थे, संक्षेप में लिखें ।

उत्तर–माटी वाली की लाल मिट्टी से सभी टिहरी वासियों का चूल्हा चौका पोता जाता था । पूरे शहर में वह अकेली महिला थी, जो हर घर में लाल मिट्टी पहुँचाती थी । बिना ढक्कन का कनस्तर था । यही कारण था कि उस माटी वाली को सभी पहचानते थे ।

कृतिका-1
रीढ़ की हड्डी जगदीशचन्द्र माथुर

इस एकांकी में समाज में नारी को सम्मानजनक स्थान न दिए जाने की समस्या का प्रभावी चित्रण हुआ है। इस एकांकी में लड़की के विवाह की सामाजिक समस्या मात्र का चित्रण नहीं है। यह एकांकी भारतीय समाज का वास्तविक चेहरा दिखाने में समक्ष है।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1. आपके लाडले बेटे की रीढ़ की हड्डी भी है या नहीं । उमा अपने इस कथन के माध्यम से शंकर की किन कमियों की ओर संकेत करती है ।

उत्तर–उमा अपने इस कथन के माध्यम से शंकर की चरित्रहीनता एवं डरपोक स्वभाव की ओर संकेत करती है। शंकर लड़कियों के हॉस्टल के आप-पास घूमता पकड़ा जाता है। और नौकरानी के पैरों पर गिरकर क्षमा माँगकर किसी तरह छूट कर भागता है ।

2. शंकर जैसे लड़के या उमा जैसी लड़की, समाज की कैसे व्यक्तित्व की जरूरत है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए ।

उत्तर–समाज में उमा जैसे व्यक्तित्व की आवश्यकता है। वह सुशिक्षित सभ्य और साहसी लड़की है। वह नारी के अधिकारों के लिए आवाज उठाने और जागरूकता लाने का काम करती है।

3. कथावस्तु के आधार पर एकांकी का मुख्य पात्र कौन है और क्यों ?

उत्तर–कथावस्तु के आधार पर एकांकी का मुख्य पात्र उमा है। लेखक ने उमा के माध्यम से ही नारी के प्रति अपने विचार व्यक्त किए हैं। वही केन्द्रबिन्दु है एकांकी की कहानी उसी के आसपास घूमती है । इसीलिए वह एकांकी की मुख्य पात्र है ।

4. क्या शंकर जैसा लड़का उमा जैसी लड़की के लिए योग्य है ?

उत्तर–शंकर जैसा लड़का उमा जैसी लड़की के लिए योग्य तो हो ही नहीं सकता क्योंकि उमा सुशिक्षित एवं संस्कारवान लड़की है। जबकि शंकर चरित्रहीन और रूढ़िवादी लड़का है ।

5. रामस्वरूप बैठक के कमरे में वाद्य यंत्रों को क्यों रखवाती हैं ?

उत्तर–रामस्वरूप की बेटी उमा का लड़के वाले देखने आने वाले हैं। वे कमरे की सफाई करवा कर वाद्ययंत्र रखवाते हैं। वे लड़के वालों को दिखाना चाहते हैं कि उमा को संगीत का ज्ञान है, वह इसके बल पर लड़के वालों को प्रभावित करना चाहते हैं ।

19. बच्चों का काम पर जाना धरती के एक बड़े हादसे के समान क्यों है ?

उत्तर–क्योंकि बच्चों का काम पर जाना उनके प्रति घोर अन्याय है । हर बच्चे को जन्म से ही सुख-सुविधाएँ मिलनी चाहिए उन्हें खेल-कूद मनोरंजन और पढ़ाई-लिखाई का अवसर मिलना चाहिए। परन्तु गरीबी और समाज की व्यवस्था के कारण उन्हें मजदूर बन कर काम करना पड़ता है। अतः यह एक भयानक हादसे के समान माना गया है।

20. 'बच्चे काम पर जा रहे हैं' कविता का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर–कविता उद्देश्य है बाल-मजदूरी को रोकना । कवि चाहता है कि बच्चों को खेल और पढ़ाई-लिखाई का पूरा अवसर मिलना चाहिए। उनके मन मस्तिष्क पर कोई दबाव नहीं होना चाहिए तथा समाज को भी उनके विकास के लिए चिन्ता प्रकट करनी चाहिए।

11. माँ को ईश्वर की सलाह पाकर क्या लाभ मिलता था ?

उत्तर–माँ ईश्वर की सलाह पाकर जीवन जीने के तरीके सीख लेती है और दुख सहन करने के उपाय जान लेती है।

12. कवि ने ऐसा क्यों कहा कि दक्षिण को लाँघ लेना सम्भव नहीं था ?

उत्तर–दक्षिण दिशा का कोई ओर-छोर नहीं है। वह अनन्त है। दक्षिण दिशा शोषण व्यवस्था का प्रतीक है। यह मनोभावना नए-नए रूप धारण करती है। और अमर रहती है ।

13. कभी-कभी उचित-अनुचित निर्णय के पीछे ईश्वर का भय दिखाना आवश्यक हो जाता है, इसके क्या कारण हो सकते हैं ?

उत्तर–मानव मन में शुभ-अशुभ दोनों भाव है। कभी-कभी उसका अशुभ मनोभाव अधिक जाग्रत हो उठता है तब वह खून, हत्या जैसे घिनौने कार्य भी कर बैठता है। इस स्थिति को बचाने के लिए ईश्वर का भय दिखाना आवश्यक होता है। जिससे कि व्यक्ति मन से मर्यादित हो जाता है और भला इन्सान बन जाता है ।

14. कवि दक्षिण दिशा में पैर करके क्यों नहीं सोया ?

उत्तर–क्योंकि कवि की माँ ने बताया था कि ऐसा करने से यमराज क्रुद्ध हो जाते हैं तथा मृत्यु का संकट छा जाता है ।

15. कवि को माँ की याद कब आई और क्यों ?

उत्तर–जब कवि दक्षिण दिशा के खतरों को जानने के लिए दूर-दूर तक गया तो उसने देखा कि वहाँ सचमुच विनाश षड्यंत्र थे तब उसे माँ की सीख याद आई और लगा कि माँ ने बचपन में ही इन खतरों के प्रति सावधान कर दिया था ।

16. कवि ने समय की भयानक पंक्ति किसे कहा है और क्यों ?

उत्तर–कवि ने बच्चों द्वारा मजदूरी करने की विवशता को अपने युग की सबसे भयानक समस्या कहा है। जिससे कि हर बच्चे को बचपन में खेलने-कूदने और पढ़ने-लिखने का अवसर नहीं मिल पाता।

17. कवि गेंदों के खत्म होने का प्रश्न उठा कर क्या कहना चाहता है ?

उत्तर–कवि कहना चाहता है कि इन बाल-मजदूरों की अभी खेलने की आयु है इन्हें काम-काज में नहीं डालना चाहिए। वह समाज को इस चिन्ता से परिचित कराना चाहता है कि बच्चों को उनका सहज बचपन लौटाया जाना चाहिए ।

18. सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से बच्चे वंचित क्यों है ?

उत्तर–समाज की व्यवस्था और गरीबी के कारण बच्चे सुविधा और मनोरंजन के उपकरणों से वंचित है।

2. 'चाँदी का बड़ा-सा गोल खम्भा' में कवि की किस सूक्ष्म कल्पना का आभास मिलता है ?

उत्तर–सरोवर के जल में सूर्य की किरणें सीधी पड़ती है तो ऐसा लगता है जैसे पानी के नीचे चाँदी का बड़ा गोल खम्भा चमक रहा है ।

3. 'चन्द्र गहना से लौटती बेर' कविता का प्रतिपाद्य क्या है ?

उत्तर–कवि कहना चाहता है कि प्रकृति की गोद में बैठकर प्रकृति के उपादानों के द्वारा मनुष्य में प्रेम, अनुराग, प्रणय, आत्मीयता, मानसिक विश्राम जैसे आनन्द का जितना अनुभव होता है उतना नगर के हलचलपूर्ण जीवन में संभव नहीं है।

4. 'प्रेम की प्रिय भूमि उपजाऊ अधिक है' किसके लिए कहा है और क्यों ?

उत्तर–यह कथन गाँव की एकान्त प्रेममयी धरती के लिए कहा गया है क्योंकि गाँव में दूर-दूर तक खेत फैले हैं उनमें प्रकृति रंग-बिरंगे फूलों से सज कर शृंगार किए खड़ी है और स्वयंवर रचा जा रहा है। यह ध रती न केवल प्रेमपूर्ण है बल्कि उपजाऊ भी है।

5. चने के पौधे को ठिगना क्यों कहा गया है ? वह किस प्रकार सजकर खड़ा है ?

उत्तर–चने का पौधा लम्बाई में अधिक ऊँचा नहीं होने के कारण से ठिगना कहा गया है। उसके सिर पर गुलाबी फूल उगने के कारण ऐसा लगता है मानो वह सज-धजकर दूल्हा बना हुआ है ।

6. मेघों के लिए 'बन-ठन के, सँवर के' आने की बात क्यों कही गयी है ?

उत्तर–क्योंकि मेघों के आने पर गाँव वासियों के मन में ठीक वैसा ही उल्लास होता है, जैसाकि किसी सजे-सँवरे दामाद के आने पर होता है। अत: मेघों के लिए सजे-सँवरे शहरी दामाद होने की बात कही गयी है ।

7. मेघ आए कविता में मेघ के आगमन का किस प्रकार चित्रण हुआ है ?

उत्तर–कविता में मेघ को सजे-सँवरे शहरी अतिथि के रूप में चित्रण किया गया है जो बड़ी प्रतीक्षा के बाद गाँव में आया है ।

8. गली-गली में दरवाजे-खिड़कियाँ क्यों खुलने लगे ?

उत्तर–मेघ और वर्षा के स्वागत में आनन्द लूटने के लिए गली-गली में दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगे।

9. कवि ने पीपल को ही बड़ा बुजुर्ग क्यों कहा है ?

उत्तर–गाँववासी पीपल के पेड़ को शुभ मानते हैं। और प्राय: हर गाँव में एक पुराना पीपल का पेड़ अवश्य होता है। पुराना होने के कारण उसे बड़ा बुजुर्ग कहा गया है ।

10. 'क्षमा करो गाँठ खुल गई अब भरम की'–भाव स्पष्ट कीजिए स।

उत्तर–प्रियतमा अपने प्रिय से क्षमा मांगते हुए बोली मुझे क्षमा करो मैंने सोचा था तुम नहीं आओगे। परन्तु तुम खूब आए हो इस लिए मेरे मन का संदेह मिट गया।

प्रश्न (क) कवि गेंदों के खत्म होने की बात क्यों कह रहा है ?

(ख) कवि की हताशा और निराशा का क्या कारण है ?

(ग) कवि रंगीन किताबें, गेंदें, खिलौने, मदरसे, मैदान, बगीचे आँगन क्यों चाहता है ?

(घ) मदरसों से क्या आशय है ?

(ङ) 'काले पहाड़' किसके प्रतीक हैं ?

उत्तर–(क) कवि बच्चों को उनके बचपन लौटाना चाहता है वह प्रश्न उठाकर बाल मजदूरी की समस्या को इंगित करता है और समाज को इस चिन्ता से परिचित कराना चाहता है ।

(ख) बच्चों का मन मार कर बाल-मजदूरी करने के कारण कवि हताश और निराश है।

(ग) ताकि नन्हें बच्चे खेल-कूद सकें और निश्चित जीवन जी सकें ।

(घ) विद्यालय ।

(ङ) काले पहाड़ शोषण की व्यवस्था से सम्बन्धित है ।

8. तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में ? कितना भयानक होता अगर ऐसा होता । भयानक है लेकिन इससे भी ज्यादा यह कि है सारी चीजें हस्बमामूल पर दुनिया की हजारों सड़कों से गुजरते हुए बच्चे, बहुत छोटे-छोटे बच्चे काम पर जा रहे हैं ।

प्रश्न (क) 'तो फिर बचा ही क्या है इस दुनिया में' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ख) अधिक भयानक स्थिति क्या है ?

(ग) कवि बच्चों के काम पर जाने पर चिन्तित क्यों है ?

उत्तर–(क) इस पंक्ति का आशय हे कि अगर नन्हें बच्चों को बचपन की सारी सुविधाएँ न मिले तो वह जीवन निरर्थक है । ऐसा जीवन आनन्दपूर्ण नहीं हो सकता ।

(ख) कवि के अनुसार संसार में बच्चों के खेल मनोरंजन और पढ़ाई के लिए वस्तुओं की कमी अधि क भयानक स्थिति है ।

(ग) कवि को लगता है कि बच्चों को खेल कूद और पढ़ाई-लिखाई में मस्त रहना चाहिए। बचपन अपने सुख और विकास के लिए होता है उन पर रोजी-रोटी कमाने का बोझ नहीं डालना चाहिए।

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए :

1. सरसों को 'सयानी' कहकर कवि क्या बताना चाहता है ?

उत्तर–कवि बताना चाहता है कि अब सरसों की फसल एक कर तैयार हो चुकी है। उसका पूरा विकास हो चुका है।

प्रश्न (क) माँ ने पुत्र को क्यों चेतावनी दी थी ?

(ख) यमराज को क्रुद्ध करने का क्या आशय है ?

(ग) कवि के अनुसार दक्षिण दिशा और मृत्यु का क्या संबंध है ?

(घ) यमराज का घर दक्षिण दिशा में में होने का क्या तात्पर्य है ?

(ङ) दक्षिण का प्रतीकात्मक अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर–(क) माँ ने पुत्र को दक्षिण दिशा में पैर करके न सोने की चेतावनी दी। क्योंकि इससे यमराज क्रुद्ध हो जाते हैं तथा मनुष्य की मृत्यु हो सकती है।

(ख) अपने मृत्यु या विनाश को निमंत्रण देना ।

(ग) कवि के अनुसार दक्षिण दिशा का प्रतीकार्थ–दक्षिणपंथी विचारधारा है। उसके अनुसार यह विचारधारा मनुष्य को विनाश की ओर ले जाती है।

(घ) दक्षिणपंथी विचारधारा से मौत के दरवाजे खुलते हैं मनुष्यता का सर्वनाश होता है।

(ङ) दक्षिण पंथी विचारधारा या पूँजीवादी विचारधारा ।

6. पर आज जिधर भी पैर करके सोओ वही दक्षिण दिशा हो जाती है सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल हैं और वे सभी में एक साथ अपनी दहकती आँखों सहित विराजते हैं माँ अब नहीं है और यमराज की दिशा भी वह नहीं रही जो भी जानती थी ।

प्रश्न (क) सभी दिशाओं में यमराज के आलीशान महल होने का क्या आशय है ?

(ख) माँ के समय और वर्तमान समय में क्या अंतर आ चुका है ?

(ग) दहकती आँखें क्या व्यक्त करती हैं ?

उत्तर–(क) इसका अर्थ है शोषणकर्ताओं की स्थापित व्यवस्था । आज जीवन के सभी क्षेत्रों में शोषणकर्ताओं ने अपना जाल फैला लिया है।

(ख) माँ के समय में केवल एक ही दिशा दक्षिण थी। शेष दिशाओं में कोई खतरा नहीं था। लेकिन वर्तमान समय में सारी दिशाएँ दक्षिण हो चुकी हैं अर्थात् आज शोषण और विनाश की शक्तियाँ सब ओर फैल चुकी है ।

(ग) 'दहकती आँख' क्रोध, हिंसा और शोषण की कठोरता को व्यक्त करती हैं ।

7. क्या अंतरिक्ष में गिर गई है सारी गेंदे क्या दीमकों ने खा लिया है सारी रंग बिरंगी किताबों को क्या काले पहाड़ के नीचे दब गए हैं सारे खिलौने क्या किसी भूकम्प में ढह गई है सारे मदरसों की इमारतें क्या सारे मैदान, सारे बगीचे और घरों के आँगन खत्म हो गए हैं एकाएक ।

बाँकी चितवन उठा नदी ठिठकी, घूँघट सरके ।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के

प्रश्न (क) आँधी किसका प्रतीक है ?

(ख) मेघ किस प्रकार आए ?

उत्तर–(क) आँधी स्वागत करने वाली कन्या का प्रतीक है। जो उत्साह के कारण अपना घाघरा उठाकर दौड़ पड़ी ।

(ख) मेघ बन-ठन के और सज-सँवर के आए ।

(ग) घाघरा ग्रामीण स्त्रियों का एक परिधान है जिसे कमर पर बाँधा जाता है ।

4. बूढ़े पीपल ने आगे बढ़कर जुहार की,

'बरस बाद सुधि लीन्हीं–

बेली अकुलाई लता ओट हो किवार की

हरसाया ताल लाया पानी परात भर के ।

मेघ आए बड़े बन-ठन के सँवर के ।

प्रश्न (क) बूढ़ा पीपल किसका प्रतीक है ?

(ख) 'बरस बाद सुधि लीन्हीं' का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

(ग) 'हरसाया ताल' से क्या आशय है ?

उत्तर–(क) बूढ़ा पीपल घर के बड़े-बुजुर्ग का प्रतीक है ।

(ख) इसका अर्थ है बहुत दिनों बाद हमें याद किया ।

(ग) सरोवर का जल खुशी से चमक उठा ।

5. माँ ने एक बार मुझसे कहा था–

दक्षिण की तरफ पैर करके मत सोना

वह मृत्यु की दिशा है

और यमराज को क्रुद्ध करना

बुद्धिमानी की बात नहीं

तब मैं छोटा था

और मैंने यमराज के घर का पता पूछा था

उसने बताया था–

तुम जहाँ भी हो वहाँ से हमेशा दक्षिण में ।

(ग) खेत की मेड़ किसे कहा गया है ?

(घ) 'ठिगना' से क्या आशय है ?

(ङ) चने ने किस चीज का मुरैठा पहना हुआ है ?

उत्तर–(क) चन्द्र गहना एक गाँव का नाम है। कवि उस गाँव को देखकर लौटते हुए खेत की मेड़ पर बैठकर ये प्राकृतिक दृश्य देख रहा है।

(ख) कवि ने चने को सजे-धजे दूल्हे के रूप में देखा है ।

(ग) खेत के बीच से जाने के लिए बनाया गया उठा हुआ रास्ता ।

(घ) 'ठिगना' से आशय है–छोटे-छोटे पौधे ।

(ङ) चने के पौधे पर गुलाबी फूल ऐसा लग रहा मानो किसी दूल्हे ने रंगी पगड़ी पहनी हो ।

2. चुप खड़े बगुला डुबाए टाँग जल में,
   देखते ही मीन चंचल
   ध्यान-निद्रा त्यागता है,
   चट दबा कर चोंच में
   नीचे गले के डालता है ।
   एक काले माथ वाली चतुर चिड़िया
   श्वेत पंखों से झपाटे मार फौरन
   टूट पड़ती है भरे जल के हृदय पर
   एक उजली चटुल मछली
   छूर उड़ती है गगन में !

प्रश्न–(क) बगुला क्या देखकर ध्यान-निद्रा त्याग दिया है ?

(ख) 'टूट पड़ना' का आशय स्पष्ट कीजिए ।

(ग) काले माथ वाली चतुर चिड़िया की कैसी चतुराई है ?

उत्तर–(क) बगुला सरोवर में तैरती मछली को देखकर ध्यान-निद्रा त्याग देता है ।

(ख) तेजी से शिकार पर झपट पड़ना ।

(ग) चतुर चिड़िया आकाश से ही तालाब में तैरती उजली मछली को देख लेती है। और अचानक तालाब के जल के मछली पर आक्रमण कर अपनी पीली चोंच में दबा कर आकाश में उड़ जाती है।

3. पेड़ झुक झाँकने लगे गरदन उचकाए,
   आँधी चली धूल भागी घाघरा उठाए,

संवेदनशील नहीं होते । जब गुरुदेव श्रीनिकेतन में थे तो उनका पालतू कुत्ता उन्हें ढूँढ़ता चला आया। प्रतिदिन प्रात:काल यह भक्त कुत्ता स्तब्ध होकर गुरूदेव के आसन के पास तब तक बैठा रहता है जब तक अपने हाथों से स्पर्श से इसका अंग नहीं स्वीकार करते। जब गुरुदेव का चिता भस्म कोलकाता से आश्रम लाया गया, उस समय भी न जाने किस सहज बोध के बल पर वह कुत्ता आश्रम के द्वार तक आया और चिताभस्म के साथ अन्यान्य आश्रमवासियों के साथ शांत गंभीर भाव से उत्तरायण तक गया। इसी प्रकार मैना भी करुणा की मूर्ति है। इन उदाहरण से साबित होता है कि मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते।

3. गुरुदेव द्वारा मैना को लक्ष्य करके लिखी कविता के मर्म को लेखक कब समझ पाया ?

उत्तर–गुरुदेव द्वारा मैना को लक्ष्य करके लिखी कविता के मर्म को लेखक तब समझ पाया जब गुरुदेव ने उन्हें मैना की करुण छवि से अवगत कराया । तभी वे गुरुदेव द्वारा मैना को लक्ष्य करके लिखी कविता के मर्म को लेखक समझ पाये।

4. आशय स्पष्ट कीजिए :

इस प्रकार कवि की मर्मभेदी दृष्टि ने इस भाषाहीन प्राणी की करुण दृष्टि के भीतर उस विशाल मानव-सत्य को देखा है जो मनुष्य, मनुष्य के अंदर भी नहीं देख पाता ।

उत्तर–कवि गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ने अपनी सूक्ष्म दृष्टि से कुत्ते जैसे भाषाहीन प्राणी के भीतर उस विशाल मानव-सत्य को देखा है जो मनुष्य, मनुष्य के अंदर भी नहीं देख पाता । ईश्वर के प्रेममय संसार में प्रत्येक प्राणी में निहित प्रेम की अनुभूति को पहचानना उनके जैसे ही संभव था ।

काव्यांश पर आधारित प्रश्न

प्रश्न 1. निम्नलिखित पद्यांशों को पढ़कर दिए गए संबंधित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. देख आया चन्द्र गहना ।
   देखता हूँ दृश्य अब मैं
   मेड़ पर इस खेत की बैठा अकेला ।
   एक बीत्ते के बराबर
   यह हरा ठिगना चना,
   बाँधे मुरैठा शीश पर
   छोटे गुलाबी फूल का
   सज कर खड़ा है ।

प्रश्न (क) 'चन्द्र गहना' क्या है ? वह कहाँ बैठकर प्राकृतिक दृश्य देख रहा है ?

(ख) कवि चने के पौधे को किस रूप में देखता है ?

मेरे बचपन के दिन में

1. महादेवी वर्मा के जन्म के समय लड़कियों की दशा कैसी थी ?

उत्तर–तत्कालीन भारत में स्त्रियों की दशा अच्छी न थी । उन्हें लड़कों की तरह शिक्षा प्राप्त करने का अवसर नहीं दिया जाता था । उन्हें परदे में रहना पड़ता था ।

2. लेखिका उर्दू-फारसी क्यों नहीं सीख पाई ?

उत्तर–महादेवी वर्मा को बचपन में पढ़ाने के लिए मौलवी रखा गया पर उनकी उसमें रुचि न थी । जब मौलवी साहब आए तो वह डरकर चारपाई के नीचे छिप गई ।

3. लेखिका ने अपनी माँ के व्यक्तित्व की किन विशेषताओं का उल्लेख किया है ?

उत्तर–लेखिका के घर में हिन्दी का कोई वातावरण नहीं था। उनकी माता जबलपुर से आई तब वे अपने साथ हिन्दी लाई । वे पूजा-पाठ बहुत करती थी। पहले-पहल उन्होंने लेखिका को 'पंचतंत्र' पढ़ना सिखाया। बचपन में माँ लिखती थीं पद भी गाती थीं। मीरा के पद विशेष रूप से गाती थी । सबेरे जागिए कृपानिधान पंछी बन बोले यही सुना जाता था। प्रभाती गाती थी। शाम को मीरा का कोई पद गाती थी। इस प्रकार वे ध ार्मिक मनोवृत्ति की महिला थी ।

4. जवारा के नवाब के साथ अपने पारिवारिक संबंधों को लेखिका ने आज के संदर्भ में स्वप्न जैसे क्यों कहा है ?

उत्तर–लेखिका का परिवार जहाँ रहता था वहाँ जवारा के नवाब रहते थे । उनकी नवाबी छिन गई थी। वे एक बंगले में रहते थे। उसी कम्पाउण्ड में लेखिका का परिवार रहता था। लेखिका को बेगम साहिबा कहती थीं हमको ताई कहो !' वे लोग उनको ताई साहिबा कहते थे। उनके बच्चे महादेवी को माँ को चची जान कहते थे। लेखिका का जन्मदिन वहाँ मनाए जाते थे। उनके जन्मदिन लेखिका के यहाँ मनाए जाते थे। उनका एक लड़का था। वे उसे राखी बांधने के लिए कहती थी। मुहर्रम में हरे कपड़े उनके लिए भी बनते थे। लेखिका के छोटे भाई का मनमोहन नाम बेगम ने ही दिया था। आज साम्प्रदायिकता के बढ़ने से हिन्दू मुस्लिम भाईचारे का यह उदाहरण दुर्लभ हो गया है । अब यह एक सपने जैसा लगता है ।

एक कुत्ता और एक मैना

1. गुरुदेव ने शांतिनिकेतन का छोड़ कहीं और रहने का मन क्यों बनाया ?

उत्तर–गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ने शांतिनिकेतन छोड़कर कहीं और रहने का मन इसलिए बनाया क्योंकि उनका स्वास्थ्य अच्छा न था । वे स्वास्थ्य लाभ होने के लिए श्रीनिकेतन चले गये ।

2. मूक प्राणी मनुष्य से कम संवेदनशील नहीं होते। पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर–इस पाठ में एक कुत्ता और एक मैना के माध्यम से बताया गया कि मूक प्राणी मनुष्य से कम

5. 'टाइम्स' पत्र ने 6 सितम्बर को लिखा था–'बड़े दुख का विषय है कि भारत सरकार आज तक उस दुर्दान्त नाना साहब को नहीं पकड़ सकी इस वाक्य में भारत सरकार से क्या आशय है ?

उत्तर–इसका आशय लंदन स्थित ब्रिटिश सरकार है जो ईस्ट इंडिया कम्पनी के माध्यम से देश पर शासन कर रही थी ।

प्रेमचन्द के फटे जूते

1. प्रेमचन्द के फटे जूते के आधार पर प्रेमचन्द के व्यक्तित्व की विशेषताएँ बताइए ?

उत्तर–प्रेमचन्द के व्यक्तित्व की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं :

1. वे सादगी प्रिय थे ।
2. समाज की कुरीतियों व रूढ़ियों का विरोध करते थे ।
3. ऊपरी दिखावा करना उन्हें पसन्द नहीं था ।
4. आदर्शवादी और सिद्धान्तवादी थे ।

3. पंक्तियों में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए :

(क) जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है। अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती है।

(ख) तुम परदे का महत्व ही नहीं जानते, हम परदे पर कुर्बान हो रहे हैं ।

(ग) जिसे तुम घृणित समझते हो, उसकी तरफ हाथ की नहीं, पाँव की अँगुली से इशारा करते हो ?

उत्तर–(क) जूता यहाँ आडम्बर का प्रतीक है तो टोपी आत्मसम्मान का । यहाँ आत्मसम्मान के स्थान पर आडम्बर को अधिक महत्व देने की मानसिकता पर चोट की गई है ।

(ख) यहाँ आज की पीढ़ी की दिखावे की मनोवृत्ति पर व्यंग्य है जो वास्तविकता के स्थान पर ऊपरी दिखावे को ज्यादा पसंद करती है ।

(ग) प्रेमचन्द सदैव सामाजिक रूढ़ियों का विरोध करते रहे । उन्हें पैरों से ठोकर लगाते रहे इसलिए उनके जूते फट गये । उन्होंने अपने सिद्धान्तों से कभी समझौता नहीं किया ।

5. प्रेमचन्द के फटे जूते पाठ में मूलतः किस पर व्यंग्य है ?

उत्तर–इस पाठ में मूलतः वर्तमान पीढ़ी पर करारा प्रहार है जो दिखावा और ढोंग पर अवलम्बित है । जो आडम्बर से लड़ना और आदर्शों पर अडिग रहना नहीं चाहते हैं । यह वास्तविकता से मुँह फेरकर दिखावा करते हैं और उनमें सच को स्वीकारने का साहस है न रूढ़ियों से टकराने का दम ।

गद्यांश (2) 1. घ 2. ग 3. घ 4. ग 5. ख

एक कुत्ता और एक मैना

गद्यांश (1) 1. ख 2. घ 3. ग 4. घ 5. क

गद्यांश (2) 1. क 2. ख 3. ग 4. क 5. ग

गद्य पाठों पर आधारित लघु उत्तरीय प्रश्न

नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

1. बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को कौन-कौन से तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया ?

उत्तर–बालिका मैना ने सेनापति 'हे' को निम्नलिखित तर्क देकर महल की रक्षा के लिए प्रेरित किया :

1. यह मकान गिराने में आपका क्या उद्देश्य है ?

2. आपके विरुद्ध जिन्होंने शस्त्र उठाये थे वे दोषी हैं पर इस जड़ पदार्थ मकान ने आपका क्या अपराध किया है ?

3. यह स्थान मुझे बहुत प्रिय है ।

2. मैना जड़ पदार्थ मकान को बचाना चाहती थी पर अंग्रेज उसे नष्ट करना चाहते थे । क्यों?

उत्तर–मैना को वह महल प्रिय था क्योंकि वह उसका निवास स्थान था जबकि अंग्रेज उसे नष्ट करना चाहते थे क्योंकि वह 1857 के विद्रोहियों का नामोनिशान मिटाकर भविष्य में अंग्रेज शासन को सुरक्षित करना चाहते थे ।

3. सर टामस 'हे' के मैना पर दया-भाव के क्या कारण थे ?

उत्तर–सर टामस 'हे' के मैना दया-भाव के निम्नलिखित कारण थे–

1. वह एक दयालु और उदार हृदय के व्यक्ति थे ।

2. जब उन्हें पता चा कि मैना उसकी दिवंगत पुत्री की सखी है तो उसे मैना के प्रति सहानुभूति हो गई।

3. वे बचपन से मैना के प्रति बेटी के समान प्रेम करते थे ।

4. मैना की अन्तिम इच्छा थी कि वह उस प्रासाद के ढेर पर बैठकर जी भरकर रो ले लेकिन पाषाण हृदय वाले जनरल ने की भय से उसकी इच्छा पूर्ण न होने दी ?

उत्तर–जनरल अउटरम को इस बात का भय था कि यदि उन्होंने मैना के प्रति उदारता दिखाई तो लंदन की सरकार उसपर कड़ी कार्रवाई करेगी। इंगलैंड की सरकार और जनता के बदला लेने की भावना के कारण वह मैना की सहायता नहीं कर सका ।

2. एक दूसरी बार मैं सबेरे गुरुदेव के पास उपस्थित था। उस समय एक लंगड़ी मैना फुदक रही थी। गुरुदेव ने कहा देखते ही यह यूथभ्रष्ट है ठीक यहीं आकर। मुझे इसकी चाल में एक करुण भाव दिखाई देता है । गुरुदेव ने अगर कह न दिया होता तो मुझे उसका करुण-भाव एकदम नहीं दीखता । मेरा अनुमान था कि मैना करुण भाव दिखलानेवाला पक्षी है ही नहीं। वह दूसरों पर अनुकम्पा ही दिखाया करती है।

1. गुरुदेव के पास कौन उपस्थित था ?

(क) लेखक (ख) रवीन्द्रनाथ टैगोर

(ग) जाबिर हुसैन (घ) उनके शिष्य

2. मैना कैसी थी ?

(क) सुन्दर (ख) लंगड़ी

(ग) पूर्ण स्वस्थ (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

3. गुरुदेव को मैना की चाल में कैसा भाव दिखाई दिया ?

(क) सहज भाव (ख) घमंडी

(ग) करुण भाव (घ) चंचलता

4. लेखक के अनुसार मैना कैसी थी ?

(क) सब पर दया दिखाने वाली (ख) घमंडी

(ग) करुण भाव की (घ) चंचल स्वभाव की

5. यूथ भ्रष्ट का आशय है ?

(क) चंचल (ख) बुरी स्वभाव की

(ग) झुंड से निकला (घ) चंचल स्वभाव की

उत्तरमाला

नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

गद्यांश (1) 1. ख 2. क 3. ग 4. घ 5. ख

गद्यांश (2) 1. क 2. ग 3. घ 4. क 5. ख

प्रेमचन्द के फटे जूते

गद्यांश (1) 1. ग 2. ख 3. ग 4. ग 5. घ

गद्यांश (2) 1. ग 2. ग 3. घ 4. घ 5. ख

मेरे बचपन के दिन

गद्यांश (1) 1. ग 2. ख 3. घ 4. ग 5. घ

5. यह गद्यांश किस पाठ से लिया गया है ?

(क) एक कुत्ता के दिन (ख) मेरे बचपन के दिन

(ग) प्रेमचन्द के फटे जूते (घ) ल्हासा की ओर

एक कुत्ता और एक मैना

1. इस वाक्यहीन प्राणिलोक में सिर्फ यही एक जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर सम्पूर्ण मनुष्य को देख सका है, उस आनन्द को देख सका है जिसे प्राण दिया जा सकता है, जिसमें अहैतुक प्रेम ढाल दिया जा सकता है, जिसकी चेतना असीम चैतन्य लोक में राह दिखा सकती है। जब मैं इस मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन देखता हूँ, जिसमें वह अपनी दीनता बताता रहता है तब मैं यह सोच ही नहीं पाता कि उसने अपने सहज बोध से मानव स्वरूप में कौन साथ मूल्य आविष्कार किया है, इसकी भाषाहीन दृष्टि की करुण व्याकुलता जो कुछ समझती है उसे समझा नहीं पाती और मुझे इस सृष्टि में मनुष्य का सच्चा परिचय समझा देती है। इस प्रकार कवि की मर्मभेदी दृष्टि ने इस भाषाहीन प्राणी की करुण दृष्टि के भीतर उस विशाल मानव-सत्य को देखा है जो मनुष्य मनुष्य के अंदर भी नहीं देख पाता ।

1. कौन-सा जीव अच्छा-बुरा सबको भेदकर सम्पूर्ण मनुष्य को देख सका है ?

(क) गाय (ख) कुत्ता

(ग) मैना (घ) (ख) व (ग)

2. अहैतुक प्रेम का आशय है ?

(क) सांसारिक प्रेम (ख) शारीरिक प्रेम

(ग) सहज प्रेम (घ) निष्काम प्रेम

3. मूक हृदय का प्राणपण आत्मनिवेदन कौन करता है

(क) रवीन्द्रनाथ टैगोर (ख) लेख

(ग) कुत्ता (घ) मैना

4. यह गद्यांश किस प्रकार की रचना है ?

(क) निबन्ध (ख) कहानी

(ग) उपन्यास (घ) संस्मरणात्मक निबन्ध

5. इस पाठ तथा लेखक का नाम है :

(क) रवीन्द्रनाथ टैगोर, एक कुत्ता और एक मैना

(ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी, एक कुत्ता और एक मैना

(ग) महादेवी वर्मा, मेरे बचपन के दिन

(घ) जाबिर हुसैन, साँवले सपनों की याद

3. यह गद्यांश किस विधा से संबंधित है ?

(क) कहानी (ख) निबन्ध

(ग) डायरी (घ) संस्मरण

4. परमधाम भेजने का आशय है ?

(क) घर भेजना (ख) तीर्थयात्रा में भेजना

(ग) मार डालना (घ) पत्र भेजना

5. लेखिका के घर में किस भाषा का प्रयोग नहीं होता था ?

(क) उर्दू (ख) फारसी

(ग) अंग्रेजी हिन्दी

2. उस समय यह देखा मैंने कि साम्प्रदायिकता नहीं थी। जो अवध की लड़कियाँ थीं वे आपस में अवधी बोलती थी बुंदेलखण्ड की आती थीं वे बुंदेली में बोलती थी । कोई अंतर नहीं आता नहीं था और हम पढ़ते हिन्दी थे । उर्दू भी हमको पढ़ाई जाती थी परन्तु आपस में हम अपनी भाषा में ही बोलती थी । यह बहुत बड़ी बात थी । हम एक मेस में खाते थे एक प्रार्थना में खड़े होते थे कोई विवाद नहीं होता था ।

1. तत्कालीन भारत में क्या नहीं था ?

(क) जातिवाद (ख) साम्प्रदायिकतावाद

(ग) भाषावाद (घ) (ख) व (ग)

2. छात्रावास की लड़कियाँ अपने प्रांतवासी लड़कियों से आपस में कौन सी भाषा बोलती थी ?

(क) अवधी (ख) बुंदेली

(ग) प्रांतीय बोली (घ) हिन्दी

3. लेखिका और उनकी सहपाठिनें किस भाषा में पढ़ती थी ?

(क) अवधी (ख) उर्दू

(ग) हिन्दी (घ) (ख) व (ग)

4. इस अवतरण में क्या नहीं कहा गया है ?

(क) लेखिका और उनकी सहपाठिनें एक मेस में खाते थे

(ख) लेखिका और उनकी सहपाठिनें एक प्रार्थना में खड़े होते थे

(ग) लेखिका और उनकी सहपाठिनें हिन्दी में बातें करती थी

(घ) लेखिका औ उनकी सहपाठिनें में कोई विवाद नहीं होता था

2. जूते और टोपी के आनुपातिक मूल्य के मारे हुए का आशय है ?

(क) अधिक मूल्य होने से जूता न खरीद पाना

(ख) जूते की अपेक्षा टोपी को अधिक महत्व देना

(ग) आडम्बर की अपेक्षा आत्मसम्मान को अधिक महत्व देना

(घ) टोपी पहनने में अधिक रूचि दिखाना

3. प्रेमचन्द क्या-क्या कहलाते थे ?

(क) उपन्यास सम्राट (ख) युग प्रवर्तक

(ग) महान कथाकार (घ) उपरोक्त सभी

4. लेखक का जूता कैसा था ?

(क) नया (ख) थोड़ा फटा

(ग) अँगुली से फटा (घ) तले से फटा

5. तुम परदे का महत्व ही नहीं जानते हम परदे पर कुर्बान हो रहे हैं । कहकर लेखक ने किस पर व्यंग्य किया है ?

(क) लेखक पर (ख) नयी पीढ़ी पर

(ग) राजनेताओं पर (घ) उपरोक्त सब पर

मेरे बचपन के दिन

1. बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र-सा आकर्षण होता है । कभी-कभी लगता है जैसे सपने में सब देखा होगा । परिस्थितियाँ बहुत बदल जाती हैं। अपने परिवार में मैं कई पीढ़ियों के बाद उत्पन्न हुई। मेरे परिवार में प्राय: दो सौ वर्ष तक कोई लड़की थी ही नहीं । सुना है उसके पहले लड़कियों को पैदा होते ही परमध ाम भेज देते थे। फिर भी मेरे बाबा ने बहुत दुर्गा पूजा की। हमारी कुल-देवी दुर्गा थी। मैं उत्पन्न हुई तो मेरी बड़ी खातिर हुई और मुझे यह सब नहीं सहना पड़ा जो अन्य लड़कियों को सहना पड़ता है। परिवार में बाबा फारसी और उर्दू जानते थे। पिता ने अंग्रेजी पढ़ी थी । हिन्दी का कोई वातावरण नहीं था ।

1. इस गद्यांश के लेखक/लेखिका का नाम है

(क) सुभद्रा कुमारी चौहान (ख) हजारी प्रसाद द्विवेदी

(ग) महादेवी वर्मा (घ) माखनलाल चतुर्वेदी

2. बचपन की स्मृतियों में एक विचित्र-सा आकर्षण होता है का आशय है ?

(क) हम अना बचपन कभी नहीं भूलते (ख) हमें बचपन की बातें अक्सर याद आती है

(ग) हमें अपना बचपन सबसे प्रिय है (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

1. फोटो में किसका जूता फटा था ?

(क) लेखक का (ख) कवि का

(ग) प्रेमचन्द का (घ) हरिशंकर परसाई का

2. साहित्यिक पुरखे किसे संबोधित किया गया है ?

(क) हरिशंकर परसाई को (ख) प्रेमचन्द को

(ग) निराला को (घ) उपरोक्त सभी को

3. प्रेमचन्द द्वारा फोटो खिंचाते समय फटे जूते का ध्यान न रखना क्या साबित करता है ?

(क) वे दिखाया करते थे (ख) वे बेपरवाह थे

(ग) वे सादगीप्रिय थे (घ) वे लोकप्रिय थे

4. प्रेमचन्द की अधूरी मुस्कान में क्या छिपा है ?

(क) दिखाया (ख) बेपरवाही

(ग) व्यंग्य (घ) खुशी का भाव

5. इस गद्यांश में किस पर व्यंग्य है ?

(क) पुराने लेखकों पर (ख) सभी लेखकों पर

(ग) प्रेमचन्द पर (घ) दिखावे की प्रवृति पर

2. टोपी आठ आने में मिल जाती है और जूते उस जमाने में भी पाँच रुपये से कम में क्या मिलते होंगे । जूता हमेशा टोपी से कीमती रहा है । अब तो जूते की कीमत और बढ़ गई है और एक जूते पर पचीसों टोपियाँ न्योछावर होती हैं। तुम भी जूते और टोपी के आनुपातिक मूल्य के मारे हुए थे । यह विडम्बना मुझे इतनी तीव्रता से पहले कभी नहीं चुभी, जितनी आज चुभ रही है जब मैं तुम्हारा फटा जूता देख रहा हूँ। तुम महान कथाकार, उपन्यास-सम्राट, युग-प्रवर्तक, जाने क्या-क्या कहलाते थे, मगर फोटो में भी तुम्हारा जूता फटा हुआ है। मेरा जूता भी कोई अच्छी नहीं है। यों ऊपर से अच्छा दिखता है। अँगुली बाहर नहीं निकलती, पर अँगूठे के नीचे तला फट गया है । अँगूठा जमीन से घिसता है और पैनी मिट्टी पर कभी रगड़ खाकर लहुलुहान भी हो जाता है । पूरा तला गिर जाएगा पूरा पंजा छिल जाएगा मगर अँगुली बाहर नहीं दिखेगी । तुम्हारी अँगुली दिखती है पर पाँव सुरक्षित है। मेरी अँगुली ढँकी है, पर पंजा नीचे घिस रहा है। तुम परदे का महत्व ही नहीं जानते, हम परदे पर कुर्बान हो रहे हैं ।

1. जूता हमेशा टोपी से क्यों कीमती रहा है ?

(क) बढ़ती महंगाई (ख) वर्तमान कीमत

(ग) दिखावे की प्रवृति लगातार बढ़ती जा रही है(घ) बढ़ता टैक्स

सैनिकों के प्रश्न का कोई उत्तर नहीं देती थी। इसके बाद कराल रूपधारी जनरल अउटरम भी वहाँ पहुँच गया। वह उसे तुरन्त पहचानकर बोला ओह ! यह नाना की लड़की मैना है । पर वह बालिका किसी ओर न देखती थी और न अपने चारों ओर सैनिकों को देखकर जरा भी नहीं डरी । जनरल अउटरम ने आगे बढ़कर कहा–अंग्रेज सरकार की आज्ञा से मैंने तुम्हें गिरफ्तार किया ।

1. नानासाहब के भग्नावशिष्ट प्रासाद के ढेर पर बैठी कौन रो रही थी ?

   (क) मैना (ख) मेरी

   (ग) लक्षमी (घ) बालिका

2. भग्नावशिष्ट प्रासाद का आशय है ?

   (क) सुन्दर महल (ख) सुन्दर बगीचा

   (ग) टूटा-फूटा महल (घ) टूटा फूटा घर

3. कराल रूपधारी कौन था ?

   (क) हे (ख) क्लाइव

   (ग) कैनिंग (घ) अउटरम

4. कराल रूपधारी का आशय है ?

   (क) डरावने रूप में (ख) सुन्दर रूप में

   (ग) दयालु रूप में (घ) करुण रूप में

5. मैना को किसने पहिचाना

   (क) सैनिकों ने (ख) अउटरम ने

   (ग) सबने (घ) किसी ने नहीं

प्रेमचन्द के फटे जूते

1. मैं चेहरे की तरफ देखता हूँ । क्या तुम्हें मालूम है, मेरे साहित्यिक पुरखे कि तुम्हारा जूता फट गया है और अँगुली बाहर दिख रही है ? क्या तुम्हे इसका जरा भी अहसास नहीं है ? जरा लज्जा, संकोच या झेंप नहीं है ? क्या तुम इतना भी नहीं जानते कि धोती को थोड़ा नीचे खींच लेने से अंगुली ढक सकती है ? मगर फिर भी तुम्हारे चेहरे पर बड़ी बेपरवाही, बड़ा विश्वास है । फोटोग्राफर ने जब 'रेडी–प्लीज' कहा होगा, तब परंपरा के अनुसार तुमने मुसकान लाने की कोशिश की होगी, दर्द के गहरे कुंए के तल में कहीं पड़ी मुसकान को धीरे-धीरे खींचकर ऊपर निकाल रहे होंगे कि बीच में ही 'क्लिक' फोटोग्राफर ने 'थैंक यू' कह दिया होगा । विचित्र है यह अधूरी मुसकान । यह मुसमान नहीं, इसमें उपहास है, व्यंग्य है ।

खण्ड–'ग'

गद्यांश पर आधारित प्रश्न

नाना साहब की पुत्री देवी मैना को भस्म कर दिया गया

1. कानपुर में भीषण हत्याकांड करने के बाद अंग्रेजों का सैनिक दल बिठूर की ओर गया । बिठूर में नाना साहब का राजमहल लूट लिया गया पर उसमें बहुत थोड़ी सम्पत्ति अंग्रेजों के हाथ लगी । इसके बाद अंग्रेजों ने तोप के गोलों से नाना साहब का महल भस्म कर देने का निश्चय किया। सैनिक दल ने जब वहाँ तोपें लगायीं, उस समय महल के बरामदे में एक अत्यन्त सुन्दर बालिका आकर खड़ी हो गयी । उसे देखकर अंग्रेज सेनापति को बड़ा आश्चर्य हुआ : क्योकि महल लूटने के समय वह बालिका वहाँ कहीं दिखाई न दी थी ।

   1. अंग्रेजों ने भीषण हत्याकांड कहाँ किया ?

      (क) बिठूर (ख) कानपुर

      (ग) दिल्ली (घ) झांसी

   2. नाना साहब का राजमहल कहाँ था ?

      (क) बिठूर (ख) कानपुर

      (ग) सूरत (घ) झांसी

   3. अंग्रेजों ने नाना साहब के महल को क्या करने का निश्चय किया ?

      (क) जब्त करना (ख) जला डालना

      (ग) तोपों से नष्ट करना (घ) दान में देना

   4. अंग्रेज सेनापति का क्या नाम था ?

      (क) हे (ख) कलाइप

      (ग) कैनिंग (घ) अउटरम

   5. राजमहल में कौन–सा समास है ।

      (क) द्वन्द्व (ख) तत्पुरुष

      (ग) अव्ययीभाव (घ) द्विगु

2. सन् 57 के सितम्बर मास में अर्द्धरात्रि के समय चाँदनी में एक बालिका स्वच्छ उज्ज्वल वस्त्र पहने हुए नाना साहब के भग्नावशिष्ट प्रासाद के ढेर पर बैठी रो रही थी। पास ही जनरल अउटरम की सेना भी ठहरी थी। कुछ सैनिक रात्रि के समय रोने की आवाज सुनकर वहाँ गये। बालिका केवल रो रही थी।

क्र.सं. सं.	पाठ्य पुस्तक	प्रथम पुस्तक (अप्रैल से सितम्बर)			द्वितीय सत्र (अक्टूबर से मार्च)		
	व्याकरण	**FA1 10**	**FA2 10**	**SAI 30**	**FA3 10**	**FA4 10**	**SAII 30**
1.	शब्द निर्माण– उपसर्ग–2 अंक प्रत्यय–2 अंक समास–3 अंक	√		√	√		√
2.	अर्थ की दृष्टि से वाक्य के भेद–4 अंक		√	√			√
3.	अलंकार–4 अंक (शब्दालंकार अनुप्रास, यमक, श्लेष) (अर्थालंकार उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति मानवीकरण)	√	√	√	√		√
4.	अपठित गद्यांश (5 + 5 = 10 अंक)			√			√
5.	अपठित काव्यांश (5 + 5 = 10 अंक)			√			√
6.	पत्र लेखन (5 अंक)			√			√
7.	निबन्ध लेखन (10 अंक)			√	√		√
8.	प्रतिवेदन (5 अंक)		√	√			√

		FA 1 10	FA 2 10	FA I 30	FA 3 10	PSA 10	SA II 30
12.	माखनलाल चतुर्वेदी– कैदी और कोकिला		√	√			
13.	सुमित्रानन्दन पन्त– ग्राम श्री		√	√			
14.	केदारनाथ अग्रवाल–चन्द्र गहना से लौटती बेर				√		√
15.	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना– मेघ आए				√		√
16.	चन्द्रकांत देवताले– यमराज की दिशा						√
17.	राजेश जोशी–बच्चे काम पर जा रहे हैं						√
	कृतिका	FA 1 10	FA 2 10	FA I 30	FA 3 10	PSA 10	SA II 30
1.	फणीश्वरनाथ रेणु– इस जल प्रलय में	√		√			
2.	मृदुला गर्ग– मेरे संग की औरतें		√	√			
3.	जगदीश चन्द्र माथुर– रीढ़ की हड्डी				√		√
4.	माटी वाली–विद्यासागर नौटियाल				√		√
5.	शमशेर बहादुर सिंह– किस तरह आखिरकार मैं हिन्दी में आया				√		√

कक्षा नौवीं हिन्दी 'अ' -संकलित एवं फॉरमैटिव परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन
(2014-15)

क्र. सं.	पाठ्य पुस्तक	प्रथम सत्र (अप्रैल से सितम्बर)			द्वितीय सत्र (अक्टूबर से मार्च)		
	क्षितिज भाग-1 गद्य खण्ड	FA 1 10	FA 2 10	FA I 30	FA 3 10	PSA 10	SA II 30
1.	प्रेमचन्द–दो बैलों की कथा	√		√			
2.	राहुल सांस्कृत्यायन– ल्हास की ओर	√		√			
3.	श्यामचरण दूबे–उपभोक्तावाद की संस्कृति		√	√			
4.	जाबिर हुसैन–साँवले सपनों की याद		√	√			
5.	चपला देवी–नाना साहब की पुत्री देवी मैना देवी को भस्म कर दिया गया				√		√
6.	हरिशंकर परसाई– प्रेमचन्द्र के फटे जूते				√		√
7.	महादेवी वर्मा–मेरे बपचन के दिन						√
8.	हजारी प्रसाद द्विवेदी– एक कुत्ता और एक मैना						√
	काव्य खण्ड	FA 1 10	FA 2 10	FA I 30	FA 3 10	PSA 10	SA II 30
9.	कबीर-साखियाँ एवं सबद	√		√			
10.	ललद्यद-वाख	√		√			
11.	रसखान-सवैये	√	√	√			

(ब) अभिव्यक्ति की क्षमता पर केन्द्रित औपचारिक अथवा अनौपचारिक विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र ।	05	
(स) किसी एक विषय पर 'प्रतिवेदन' । (केवल कक्षा नौवीं हेतु) दिए गए गद्यांश का 'सार लेखन' । (केवल कक्षा दसवीं हेतु)	05	
कुल		90

संकलित परीक्षा 1	30%
संकलित परीक्षा 2	30%
फॉरमैटिव परीक्षा एफ.ए.-1 (भार 10%), समस्या समाधान आकलन (भार 10%) एफ.ए.-3 (भार (10%), एफ.ए.-4 (भार 10%)	40%
कुल भार	100%

(मूल्यपरक प्रश्न पूरक पाठ्यपुस्तक पर आधारित होगा । इसके लिए 5 अंक निर्धारित हैं ।)

टिप्पणी :

1. संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा फॉरमेटिव परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। फॉरमैटिव परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग (सम्पूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत फॉरमैटिव मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा। इसमें बोलने, सुनने, लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित परीक्षण किया जा सकता है ।
2. संकलित परीक्षा एक (एस-1) 90 अंकों की होगी। 90 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात् 30 अंकों में से परिवर्तित कर लिया जाएगा तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा संकलित परीक्षा दो (एस-2) 90 अंकों की होगी व 90 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात् 30 अंकों में से 40 परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

हिन्दी पाठ्यक्रम-अ कोड संख्या (002)

कक्षा नौवीं हिन्दी 'अ'-संकलित परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम विनिर्देशन 2014-2015

संकलित परीक्षा 1 (भार 30%) (अप्रैल-सितम्बर) तथा संकलित परीक्षा 2 (भार 30%) (अक्टूबर से मार्च) हेतु भार विभाजन

	विषय-वस्तु	**उप भार**	**कुल भार**
1.	पठन कौशल गद्यांश व काव्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिन्दु/संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रश्न		20
(अ)	दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के)	10	
(ब)	दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के)	10	
2.	व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिन्दु/संरचना आदि पर प्रश्न	15	15
3.	पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग-1 व पुरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-1		35
(अ)	**गद्य खण्ड**	15	
1.	क्षितिज से निर्धारित पाठों में से गद्यांश के आधार पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिन्दु/संरचना आदि पर प्रश्न ।	05	
2.	क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर विद्यार्थियों की उच्च चिन्तन व मनन क्षमताओं का आकलन करने हेतु प्रश्न ।	10	
(ब)	काव्य खण्ड	15	
1.	काव्यबोध व काव्य पर स्वयं की सोच की परख करने हेतु क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से काव्यांश के आधार पर प्रश्न ।	05	
2.	क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर विद्यार्थियों का काव्यबोध परखने हेतु प्रश्न ।		
(स)	**पूरक पाठ्यपुस्तक कृतिका भाग-1**	05	
	पूरक पुस्तिक 'कृतिका' के निर्धारित पाठों पर आधारित एक मूल्य परक प्रश्न पूछा जाएगा । इस प्रश्न का कुल भार पाँच अंक होगा । ये प्रश्न विद्यार्थियों के पाठ पर आधारित मूल्यों के प्रति उनकी संवदेनशीलता को परखने के लिए होगा ।		
4.	**लेखन**		20
(अ)	विभिन्न विषयों और संदर्भों पर विद्यार्थियों के तर्कसंगत विचार प्रकट करने की क्षमता को परखने के लिए संकेत बिन्दुओं पर आधारित समसामयिक एवं व्यावहारिक जीवन से जुडे हुए विषयों पर 200 से 250 शब्दों में किसी एक विषय पर निबन्ध ।	10	

विषय-सूची

विषय	पृ० सं०
1. पाठ्यक्रम	3-8
2. गद्य पाठ आधारित प्रश्न	9-19
3. पद्य पाठ पर आधारित प्रश्न	19-26
4. पाठ्य पुस्तक कृतिका भाग-1 पर आधारित प्रश्न	27-31
5. पत्र-लेखन एवं अनुच्छेद लेखन	32-34
6. FA-3 आदर्श प्रश्न-पत्र	35-46
7. SA-2 आदर्श प्रश्न-पत्र	47-70
8. प्रतिवेदन	71-73

PREFACE

Kendriya Vidyalaya Sangathan is a pioneer organization which cates to the all round development of the students. Time to time various strategies have been adopted to adom the students with academic excellence.

This support material is one such effort by Kendriya Vidyalaya Sangathan, an empirical endeavor to help students learn more effectively and efficienctly. It is designed to give priper platform to students for better practice and understanding of the chapters. This can suitably be used during revision. Ample opportunity has been provided to students through master cards and question banks to expose them to the CBSE pattern. It is also suggested to students to keep in consideration the time-management aspect as well.

I extend my heartest gratitude to the Kendriya Vidyalaya Sangathan authorties for providing the support material to the students prepared by various Regions. The same has been reviewed by the Regional Subject Committee of Patna Region who have worked arduously to bring out the best for the students. I also convey my regards to the staff of Regional Office, Patna for their genuine cooperation.

In the end, I earnestly hope that this material will not only improve the academic result of the students but also inculcate learning habit in them.

M. S. Chauhan

Deputy Commissioner

KENDRIYA VIDYALAYA
SANGATHAN
Patna Region

तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

STUDY MATERIAL
2014-15

SA-2

CLASS IX
HINDI